पटना ● गुरुवार, 28 नवंबर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः 314 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

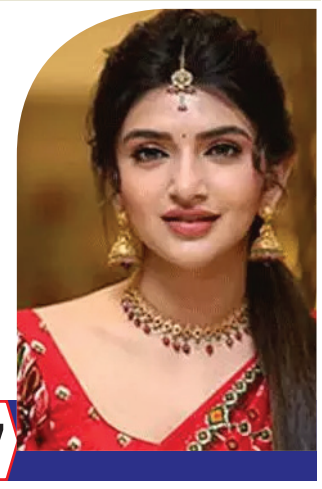

एमएस कॉलेज में संविधान दिवस के... 3 www. bordernewsmirror.com पुष्पा 2 के आइटम सॉन्ग... 7

तमिलनाडु से 2 दिन में टकरा सकता है फेंगल तूफान

75 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चलेगी हवा, 6 जिलों में स्कूल बंद, 7 फ्लाइट्स लेट

चेन्नई (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से उठा फेंगल तूफान आज चक्रवात में बदल गया है। अगले दो दिन यह तमिलनाडु की तरफ बढ़ेगा। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, इस दौरान 75-80 किमी प्रतिघंटा की स्पीड से हवाएं चलेंगी। चेन्नई, चेंगलपेट, कांचीपुरम, तिरुवल्लुर, कुड्डालोर, नागापट्टिनम में लगातार बारिश जारी है। इन

6 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। चेन्नई में मंगलवार को 7 फ्लाइट्स लेट हो गईं। तूफान के असर को लेकर तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने हाई-लेवल बैठक की। एनडीआरएफ की 7 टीमों को तिरुवरुर, मयिलादुथुरई, नागापट्टिनम और कुड्डालोर जिले में तैनात किया गया है। 7 नवंबर को तमिलनाडु और पुडुचेरी में कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश और कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है, 28 और 29 नवंबर को भी तटीय इलाकों में बारिश होगी।

महाराष्ट्र की नई सरकार के आगे बनते ही होगी चुनौती

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में फिलहाल सरकार गठन को लेकर रस्साकशी चल रही है। भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर दावेदारी का दौर जारी है। जल्दी ही नए मुख्यमंत्री को लेकर फैसला हो सकता है, लेकिन नई सरकार को सत्ता में आते ही एक चुनौती का सामना करना होगा। यह चुनौती है, मराठा आरक्षण की। चुनाव में मराठा

आरक्षण आंदोलन का कोई खास असर नहीं दिखा और सत्ताधारी दलों को बड़ी जीत के साथ वापसी का मौका मिला है। इसके बाद भी मराठा आरक्षण की मांग करने वाले नेता मनोज जारांगे पाटिल ने नए सिरे से आंदोलन का फैसला लिया है। उनका कहना है कि वह अब सामूहिक भूख हड़ताल करेंगे। जालना के अपने गांव अंतरवाली में मनोज जारांगे पाटिल ने यह ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि बीड़ जिले में इस भूख हड़ताल का आयोजन होगा।

आरक्षण के लिए धर्म परिवर्तन करना संविधान से बड़ा धोखा

● सुप्रीम कोर्ट बोला-क्रिश्चियन धर्म अपनाया, अब नौकरी के लिए हिंदू होने का दावा सही नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सिर्फ आरक्षण का फायदा उठाने के लिए किया गया धर्म परिवर्तन संविधान के साथ धोखा है। अदालत ने यह फैसला 26 नवंबर को उस केस में सुनाया, जिसमें एक महिला ने क्रिश्चियन धर्म अपना लिया था, लेकिन बाद में शेड्यूल कास्ट सर्टिफिकेट हासिल करने के लिए दावा किया कि वो हिंदू है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता की अपील को ठुकरा दिया और कहा कि इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। जब वास्तव में यकीन हो तब धर्म परिवर्तन करें जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस आर महादेवन ने मद्रास हाईकोर्ट का फैसला बरकरार रखा। बेंच ने कहा, किसी को भी धर्म परिवर्तन तब करना चाहिए, जब वो वास्तव में उस धर्म के मूल्यों, विचारों और आस्था से प्रेरित हुआ हो। बिना आस्था धर्म परिवर्तन को

इजाजत नहीं अदालत ने कहा, अगर धर्म परिवर्तन का मकसद आरक्षण का फायदा उठाने के लिए हो, लेकिन व्यक्ति को उस धर्म पर भरोसा नहीं हो तो इसे इजाजत नहीं दी जा सकती। ऐसे में ये सिर्फ रिजर्वेशन पॉलिसी और सामाजिक स्वभाव को नुकसान पहुंचाएगा। बाप्टिज्म के बाद हिंदू होने का दावा नहीं कर सकते बेंच ने कहा, हमारे सामने जो सबूत रखे गए, उसके आधार पर बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता ने क्रिश्चियन धर्म अपनाया और वो लगातार चर्च जाती है, यानी वो धर्म का पालन भी कर रही है। लेकिन दूसरी तरफ वो यह दावा कर रही है कि वो हिंदू है। वो रोजगार के लिए एससी सर्टिफिकेट चाहती है। वो दो दावे कर रही है। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

पाकिस्तान में इमरान खान की पार्टी का विरोध प्रदर्शन खत्म

सेना ने खदेड़ा, गृहमंत्री बोले-गिरफ्तारी के डर से भागीं बुशरा बीबी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने अपना विरोध-प्रदर्शन खत्म कर दिया है। पाकिस्तानी वेबसाइट द डॉन के मुताबिक पार्टी ने बुधवार सुबह इसका ऐलान किया। पीटीआई ने कहा कि इमरान खान की सलाह पर आगे कोई फैसला किया जाएगा। पीटीआई ने एक प्रेस रिलीज में कहा है, सरकार क्रूरता से निहत्थे नागरिकों की हत्या के लिए तैयार है। इस्लामाबाद को कत्लगाह

बनने से रोकने के लिए वे अपने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को अस्थायी तौर पर स्थगित कर रहे हैं। इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी और खैबर पख्तूनख्वा के सीएम अली अमीन गंडापुर प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक गंडापुर ने मंगलवार देर रात प्रदर्शनकारियों को घर चले जाने को कहा था।

अडाणी मुद्दे पर संसद ठप्प, विपक्ष का भारी हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र का बुधवार को दूसरा दिन था। लोकसभा में सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने अडाणी मुद्दे पर हंगामा किया। 12 बजे दोबारा कार्यवाही शुरू हुई तो फिर हंगामा हुआ। विपक्ष ने यूपी के संभल में हिंसा का मुद्दा भी उठाया। जिसके बाद लोकसभा और राज्यसभा दोनों को 28 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया। राहुल गांधी ने संसद के बाहर कहा कि अडाणी पर अमेरिका में 2 हजार करोड़ की रिश्वत देने का आरोप है। उन्हें जेल में होना चाहिए। मोदी सरकार उन्हें बचा रही है। दरअसल, 21 नवंबर को यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी ऑफिस की ओर से कहा गया था कि अडाणी ने भारत में सोलर एनर्जी से जुड़ा कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 265 मिलियन डॉलर (करीब 2200 करोड़ रुपए) की रिश्वत दी या देने की योजना बना रहे थे। इस पर बुधवार को अडाणी ग्रुप ने साफ किया है कि चेयरमैन गौतम अडाणी, उनके भतीजे सागर अडाणी और सीनियर एग्जीक्यूटिव विनीत जैन पर अमेरिका में रिश्वत से जुड़े कोई आरोप नहीं हैं। अडाणी ग्रुप के मुताबिक, कई मीडिया हाउस में चल रही खबरें 'गलत' हैं। उधर प्रियंका गांधी 28 नवंबर को सांसद पद की शपथ लेंगी। वह केरल

राहुल बोले-उन्हें जेल में होना चाहिए, सरकार बचा रही

के वायनाड से सांसद हैं। बुधवार को उन्हें जीत का सर्टिफिकेट मिला। लोकसभा की कार्यवाही बुधवार सुबह शुरू होने के साथ ही कांग्रेस के सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए और अडानी समूह से जुड़े मामले को उठाने की कोशिश करने लगे। वहीं समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने उत्तर प्रदेश के संभल में हिंसा की घटना को उठाने का प्रयास किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच प्रश्नकाल शुरू कराया। इस बीच, कांग्रेस और सपा के कई सदस्य आसन के निकट पहुंचकर नारेबाजी करने लगे। बिड़ला ने आसन के निकट पहुंचकर नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों से अपने स्थान पर जाने और प्रश्नकाल चलने देने की अपील की। उन्होंने बीजेपी के सदस्य अरुण गोविल का उल्लेख करते हुए कहा कि वह पहली बार प्रश्नकाल में प्रश्न पूछ रहे हैं, ऐसे में सदन की कार्यवाही चलने दी जाए। हालांकि, हंगामा नहीं थमा और विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी जारी रही। लोकसभा अध्यक्ष ने नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों से कहा, प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय है, सबका समय है। आप प्रश्नकाल चलने दें, आपको हर मुद्दे पर चर्चा करने का अवसर दिया जाएगा। हंगामे के बीच लोकसभा अध्यक्ष ने 11 बजकर पांच मिनट पर सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दोपहर 12 बजे निचले सदन की बैठक फिर शुरू हुई तो वही नजारा देखने को मिला। विपक्षी सदस्य आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। शोर-शराबा जारी रहने पर 12 बजकर 10 मिनट पर लोकसभा की बैठक दिनभर के स्थगित कर दी।

सैफई मेडिकल कॉलेज के 3 डॉक्टर समेत 5 की मौत

● कार डिवाइडर से टकराई, फिर ट्रक ने रौंदा, लखनऊ में शादी से लौट रहे थे

कन्नौज (एजेंसी)। कन्नौज में सड़क हादसे में सैफई मेडिकल कॉलेज के 3 डॉक्टर, एक लैब टेक्नीशियन और एक क्लर्क की मौत हो गई। हादसा लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर बुधवार तड़के 3.30 बजे हुआ।

100 की स्पीड में चल रही स्कार्पियो डिवाइडर से टकराकर दो पलटी खाते हुए दूसरी लेन में आ गई। फिर ट्रक ने स्कार्पियो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी

कि स्कार्पियो कई मीटर तक घिसटती चली गई। स्कार्पियो में 6 लोग सवार थे, 5 की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक की हालत गंभीर है। मरने वाले 3 डॉक्टर सैफई मेडिकल कॉलेज से पीजी कर रहे थे। मंगलवार को एक शादी में शामिल होकर लखनऊ से लौट रहे थे। लौटते वक्त हादसा हुआ।

पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में ड्राइवर को झपकी आने और ओवर स्पीड की वजह से हादसा हुआ है। स्कार्पियो ने पहले डिवाइडर को तोड़ा फिर कई पलटी खाते हुए दूसरी लेन में पहुंच गई। उस लेन में आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने स्कार्पियो को चपेट में ले लिया। सुबह 3.43 बजे कंट्रोल रूम के नंबर पर हादसे की सूचना मिली। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कार्पियो बुरी तरह पिचक गई।

हमारे बीच कोई मतभेद नहीं, सरकार बनाने में अड़चन नहीं बनेंगे:एकनाथ

● सीएम शिंदे बोले-पीएम मोदी जो भी फैसला लेंगे, हमें मंजूर होगा ● शिंदे ने कहा-भाजपा का सीएम हमें मंजूर है, पद की लालसा नहीं ● जब मुख्यमंत्री था तब मोदी साथ खड़े रहे, जो फैसला लेंगे स्वीकार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र का अगला सीएम भाजपा का हो सकता है। बुधवार को ठाणे में कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि भाजपा का सीएम हमें मंजूर है। मुझे पद की लालसा नहीं। जब मैं मुख्यमंत्री था तब मोदी जी मेरे साथ खड़े रहे। अब वो जो फैसला लेंगे स्वीकार होगा। शिंदे ने कहा- मैंने कल (26 नवंबर) मोदी जी को फोन किया था हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है, मन में कोई अड़चन न लाएं। हम सब एनडीए का हिस्सा हैं। भाजपा की बैठक में जो फैसला लिया जाएगा, हमें मंजूर होगा। कोई स्पीड

ब्रेकर नहीं है। हम सरकार बनाने में अड़चन नहीं बनेंगे। शिंदे बोले, मैं कभी भी अपने आप को मुख्यमंत्री नहीं समझता। मैंने हमेशा आम आदमी बनकर काम किया। यह जनता की विजय है। समर्थन के लिए जनता को धन्यवाद। इलेक्शन के वक्त सुबह 5 बजे तक काम करते थे। सभी कार्यकर्ताओं ने बहुत मेहनत की। एकनाथ शिंदे ने कहा, आम आदमी को क्या समस्या आती है, वो मैं समझता हूं। मैंने कभी भी अपने आप को मुख्यमंत्री नहीं समझता। मैंने हमेशा आम आदमी बनकर काम किया। मैं देखता आ रहा हूं कि कुटुम्ब को कैसे चलाया जाता है। मैंने सोचा था कि जब मेरे पास अधिकार आएंगे तो जो परेशान हैं, उनके लिए योजनाएं लाएंगे। शिंदे ने कहा, जब सीएम था, जब लोगों को लगता था कि हमारे बीच का मुख्यमंत्री है। घर हो, मंत्रालय हो, लोग आकर मिलते हैं।

● मुझे पद की लालसा नहीं, महाराष्ट्र में कोई स्पीड ब्रेकर नहीं - एकनाथ शिंदे ने कहा, मुझे पद की लालसा नहीं। हम लड़ने वाले लोग नहीं हैं। हम काम करने वाले लोग हैं। मैंने पीएम और गृह मंत्री से भी कह दिया है कि महाराष्ट्र में कोई स्पीड ब्रेकर नहीं है, कोई नाराज नहीं, कोई गायब नहीं है। यहां कोई मतभेद नहीं है। एक स्पीड ब्रेकर था वो था महा विकास अघाड़ी, वो हटा दिया है। एकनाथ शिंदे ने कहा- चुनाव हुए और उसकी नतीजे आए, हमारे काम की बदौलत ऐतिहासिक नतीजा आया। मैं सबका लाडला भाई हूं। बहनों ने मुझे याद रखा और मेरी रक्षा की। मुझे हर चीज का पता है। कोई नाराज है कोई कहां गया ये मत पूछिए। इतनी बड़ी जीत है, ये ऐतिहासिक है। हम मिलकर काम करने वाले लोग हैं, हमने जी-तोड़ मेहनत की है। हमने जो भी काम किया है, वो मन से किया है।

राज्य को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र का साथ जरूरी

एकनाथ शिंदे बोले, हमने ढाई साल सरकार चलाई। इस दौरान केंद्र सरकार हमारे साथ मौजूद रही, खड़ी रही। हमारे हर प्रस्ताव को उसका समर्थन मिला। राज्य को चलाने के लिए केंद्र सरकार का साथ जरूरी है। शिंदे ने कहा, मैंने मोदीजी-शाहजी को फोन किया। मैंने उनसे कहा कि आपका जो भी फैसला होगा, हमें स्वीकार है। भाजपा की बैठक में आपका कैंडीडेट चुना जाएगा, वो भी हमें स्वीकार है। हम सरकार बनाने में अड़चन नहीं है। आप सरकार बनाने को लेकर जो फैसला लेना चाहते हैं, ले लीजिए। शिवसेना और मेरी तरफ से कोई अड़चन नहीं है। उन्होंने कहा, हमने ढाई साल सरकार चलाई। प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह ने मुझ जैसे कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी दी। ढाई साल तक दोनों चट्टान की तरह हमारे साथ खड़े रहे। मुझसे कहा कि आप जनता का काम करो और हम आपके साथ हैं।

झांसी मेडिकल कॉलेज अग्निकांड में बड़ा ऐक्शन

● प्रिंसिपल हटाए गए, 3 सस्पेंड, 18 बच्चों की जा चुकी है जान

लखनऊ (एजेंसी)। झांसी मेडिकल कॉलेज एनआईसीयू अग्निकांड में बड़ा ऐक्शन हुआ है। मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ.नरेन्द्र सिंह सेंगर को उनके पद से हटा दिया गया है कॉलेज के जेई, एनआईसीयू की सिस्टर इंचार्ज और प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक को सस्पेंड कर दिया गया है। मेडिकल कॉलेज प्रधानाचार्य और अन्य तीन के खिलाफ ऐक्शन डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आदेश पर हुआ है।

15 नवम्बर की रात हुए इस अग्निकांड में जलने से 10 मासूमों की जान चली गई थी। एनआईसीयू की आग से रेस्क्यू किए गए बच्चों में से आठ की अब तक मौत हो चुकी है। हालांकि मेडिकल प्रशासन का दावा है कि इन आठ बच्चों की मौतें बीमारी की वजह से हुई हैं। इनका अग्निकांड से कोई सरोकार नहीं है। रेस्क्यू किए गए बच्चों में से दो बच्चों का अभी भी निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अन्य को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

संभल हिंसा

उपद्रवियों से ही नुकसान की भरपाई करेगी योगी सरकार

100 पत्थरबाजों के पोस्टर जारी, 4 महिलाओं समेत 27 को जेल भेजा

संभल (एजेंसी)। यूपी के संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा मामले में पुलिस ने 100 पत्थरबाजों के पोस्टर जारी किए हैं। इनमें ज्यादातर हाथ में पत्थर लिए हुए हैं। मुंह बांधे हुए हैं। बुधवार को पुलिस ने पोस्टर जारी करते हुए कहा कि और भी वीडियो, सीसीटीवी और ड्रोन फुटेज की जांच की जा रही है। आगे और भी पोस्टर जारी किए जाएंगे। पुलिस हिंसा में अब तक 4 महिलाओं समेत 27 उपद्रवियों को गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है। संभल पुलिस ने एक महिला का भी पोस्टर जारी किया। यह महिला पत्थरबाज दीपासराय इलाके की है। वह छत से पत्थर फेंकते हुए नजर आ रही है। यह इलाका सपा सांसद जियाउरहमान बर्क के पास का है। बुधवार को यूपी के आबकारी राज्यमंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा-कानून बिगाड़ने वालों के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। पत्थरबाजी करने वाले, दंगा भड़काने वाले उपद्रवियों के पोस्टर सार्वजनिक स्थान पर लगाए जाएंगे। सार्वजनिक संपत्ति का जो नुकसान हुआ है। उसकी भरपाई उपद्रवियों से कराई जाएगी। आईजी जोन रमित शर्मा ने भी बुधवार सुबह कहा था- जिनके हाथ में पत्थर थे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। इधर, योगी सरकार हिंसा में जिन-जिन लोगों के नाम सामने सामने आए हैं। उनकी पहचान के बाद

वसूली की नुकसान की वसूली की तैयारी कर रही है। गृह और पुलिस विभाग इसमें मिलकर काम कर रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने ये निर्देश एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में दिए। उधर, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ताबड़तोड़ दबिश दे रही है। माहौल धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

राज्य के 100 गांवों को मुख्य सड़क से जोड़ा जाएगा

पटना, एजेंसी। विधान परिषद में रीना देवी ने गांव को मुख्य सड़क से जोड़ने का मुद्दा उठाया। इसके जवाब में मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि 250 गावों को मुख्य सड़क से जोड़ा गया है। 100 गांवों को चिह्नित किया गया है। इन गांवों को सड़क से जोड़ने के बाद दूसरे अन्य गांवों के संबंध में काम किया जाएगा। ध्यानाकर्षण के दौरान जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि शराब कंपनियों से राजद ने इलेक्ट्रॉल बॉन्ड के तहत 46.64 करोड़ रुपए लिये हैं। राजद ने एक वर्ष के दौरान ये पैसे लिये हैं। बिहार में शराबबंदी है, फिर भी शराब कंपनियों के मालिक से तेजस्वी पैसा लेते हैं।

विजेंद्र और सिद्दीकी थेथर-भोथर में उलझे :

विधान परिषद में संकल्प पत्र के दौरान ऊर्जा मंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव और राजद नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी आपस में ही उलझ गए। एक दूसरे को थेथर-भोथर, बकलेल कहा। मामला मंगलवार को विधान परिषद के सदन का है।

नहीं थम रहा है डेंगू का प्रकोप, चिकनगुनिया के भी नए मरीज मिले

पटना, एजेंसी। डेंगू का डंक लगातार लोगों को लग रहा है। नवंबर खत्म होने को है पर डेंगू का प्रकोप अभी भी जारी है। विशेषज्ञों के अनुसार अभी कुछ दिन और डेंगू के मच्छरों से बचाव करने की जरूरत है।

सोमवार को राज्य में डेंगू के 69 नए मरीज मिले हैं। इसमें पटना के 35 मरीज है। पूरे राज्य में सबसे अधिक डेंगू के मरीज पटना में ही मिल रहे हैं। दूसरे स्थान पर गया पहुंच गया है। वहीं पटना में चिकनगुनिया के भी पांच मरीज मिले हैं। पटना में अबतक चिकनगुनिया पीड़ितों की संख्या 389 हो गई है। वहीं राज्य में अब तक 9671 डेंगू से पीड़ित हो चुके हैं। इसमें पटना के 4802 मरीज हैं। पटना के जिन इलाकों में डेंगू के मरीज मिले हैं। उसमें कंकड़बाग में तीन, बांकीपुर में आठ, नूतन राजधानी में सात, पाटलिपुत्रा में पांच, अजिमाबाद में दो, पटना सिटी में दो, अथमलगोला में एक, फतुहा में एक, संपतचक में दो मरीज मिले हैं। चार मरीजों की पहचान नहीं हुई है। आईजीआईएमएस के वरीय फिजिशियन डॉ. मनोज चौधरी का कहना है कि पहले डेंगू का प्रकोप थोड़ा कम हुआ है। अभी डेंगू के मरीज लगातार मिल रहे हैं। इसलिए अभी कुछदिन और सावधानी बरतने और बचाव करने की जरूरत है। कड़ाके की ठंड पड़ने पर डेंगू का प्रकोप कम होगा। डेंगू का सिम्टोमेटिक इलाज होता है। यानी लक्षण के आधार पर मरीज की इलाज होती है।

स्कॉर्पियो ने 2 ई-रिक्शा में मारी टक्कर, चालक घायल

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी में स्कॉर्पियो ने ई-रिक्शा में ठोकर मार दी। पीछे से आ रहा दूसरे ई-रिक्शा भी इसके चपेट में आ गया, जिसका चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। इसे आसपास के लोगों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। स्कॉर्पियो के ड्राइवर को पकड़कर लोगों ने पिटाई की, फिर पुलिस के हवाले कर दिया। घटना नगर थाना क्षेत्र के बलुआ आरओबी की है। घायल ई-रिक्शा चालक की पहचान रघुनाथपुर के पिपल चौक सुमन कुमार और उसके पीछे चल रहे ई-रिक्शा चालक की पहचान उमेश साह के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर बतायी जा रही है। सूचना पर घटना स्थल पर पहुंची नगर थाना की पुलिस घटना की जांच में जुट गई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि ई-रिक्शा चालक अपने साइड से होकर चांदमारी चौक की तरफ जा रहा था। इस बीच रॉन्ग साइड से आकर तेज रफ्तार स्कार्पियो ने ई-रिक्शा में जोरदार ठोकर मार दी। घटना के बाद स्कार्पियो चालक की लोगों ने पकड़ कर पिटाई कर दी।

कोहरे से निपटने के लिए फॉग पायलट असिस्टेंट सिस्टम लागू

कम रोशनी में भी सुरक्षित और समय पर होगी ट्रेन यात्रा, पटरियों की भी होगी निगरानी

समस्तीपुर, एजेंसी। कोहरे की समस्या से निपटने के लिए मंडल ने वास्तविक समय पर नेविगेशन के साथ-साथ ट्रेन चालकों की सहायता के लिए फॉग पायलट असिस्टेंट सिस्टम उपकरण लगाए हैं, जिससे रोशनी कम होने के बावजूद सुरक्षित और समय पर ट्रेन परिचालन हो सके। उन्नत तकनीक का उपयोग करके त्रुटियों का जल्द पता लगाने और जोखिमों को प्रभावी ढंग से कम करने के लिए ट्रेन की छतों, इंजन और रोलिंग स्टॉक्स का निरीक्षण किया जा रहा है। ट्रैक निगरानी को प्राथमिकता देते हुए संभावित खतरों की पहचान के लिए अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन और आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। सिग्नलिंग सिस्टम को अपग्रेड किया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक श्री विनय श्रीवास्तव ने बताया कि सर्दी के मौसम में घने कोहरे को देखते हुए, समस्तीपुर मंडल ने रेल पथ संरक्षण के लिए कई स्टेप्स लिए हैं। हमारी प्राथमिकता यात्रियों की सुरक्षा है और हम यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं कि वे सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा करें।

अधिक ठंड में ट्रैक टूटने की व्यवस्था

कुहासे के कारण ट्रेनों की संभावित लेट लतीफी से बचने के लिए समस्तीपुर रेल मंडल प्रशासन ने तैयारी कर ली है। ??रेलवे मंडल प्रशासन ने ओवरहेड उपकरण ट्रैक्शन रोलिंग स्टॉक जैसे महत्वपूर्ण उपकरण लगाए हैं। डीआरएम बिना श्रीवास्तव ने कहा कि अधिक ठंड होने पर रेल पथ के क्रैक होने की संभावना को रोकने के लिए लॉन्ग वेल्डेड रेल्स/ कंटीन्यूअस वेल्डेड रेल्स पर डी-स्ट्रेसिंग करने के साथ-साथ रेल ज्वाइंट की पूरी जांच की जा रही है।

ट्रेनों की स्पीड मेंटेन करने में मिलेगी मदद

रेलवे मंडल में फॉग पास सिग्नलिंग सिस्टम को सक्रिय किया है, जो कोहरे की स्थिति में ट्रेनों की गति को नियंत्रित करने में मदद करता है। अतिरिक्त रेलवे कर्मचारी कोहरे की स्थिति में अतिरिक्त रेलवे कर्मचारियों को तैनात किया है, जो ट्रेनों की गति और सुरक्षा की निगरानी करेंगे। रेलवे कर्मी रेलपथ का नियमित निरीक्षण कर रहे हैं।

नाबालिग के पिता के दोस्त ने ही किया था दुष्कर्म, आरोपी खेत मालिक निर्दोष करार

सहरसा, एजेंसी। सहरसा के बैजनाथपुर थानाक्षेत्र में बीते रविवार की रात एक नाबालिग से दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी नाबालिग बच्ची के पिता का दोस्त ही है। पुलिस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर एसपी हिमांशु ने बताया कि सूचना के बाद सदर एसडीपीओ आलोक कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इसमें महिला थानाध्यक्ष डोली रानी, थानाध्यक्ष बैजनाथपुर, सदर थाना की महिला पुलिस अधिकारी खुशबू कुमारी और पुष्पम भारती शामिल थीं। इस टीम ने पीड़िता और संदिग्ध व्यक्तियों से गहन पूछताछ की। साथ ही मानवीय सूचना इकट्ठी कर 24 घंटे के अंदर अप्राथमिकी आरोपी, जो उसके पिता का ही मित्र है, को संदेह के आधार पर उसके घर से पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए व्यक्ति से गहन पूछताछ करने पर उसने नाबालिग लड़की के घर में घुसकर सोए अवस्था में उससे यौन अपराध की घटना करने में अपनी संलिप्तता को स्वीकार किया। उसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया। गौरतलब है कि लड़की के पिता ने घटना के बाद अपने घर के बगल के खेत मालिक पर उनकी अनुपस्थिति में बच्ची से दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। उसके बाद पीड़िता के पिता के आवेदन पर महिला थाने में खेत के मालिक पर पॉक्सो एक्ट और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। एसपी ने बताया कि पुलिस द्वारा अनुसंधान को सही दिशा में लाने से घटना की सत्यता सामने आई और नामजद प्राथमिकी आरोपी को निर्दोष पाया गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में प्रभावी वैज्ञानिक अनुसंधान त्वरित गति से कराते हुए आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा। त्वरित विचारण करा कर दोषी को कड़ी सजा दिलाई जाएगी। पीड़िता को चिकित्सीय जांच के बाद काउंसलिंग के लिए महिला थानाध्यक्ष की देखरेख में वन स्टॉप सेंटर भेजा गया है। उन्होंने बताया कि पीड़िता के कपड़े और बेड शीट जब्त की गई है।

ट्रेन में महिला यात्रियों के गहने उड़ाने वाले 3 बदमाश गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। पटना जंक्शन से लेकर बक्सर और किऊल तक ट्रेन में महिला यात्रियों के गहने, मोबाइल और नकद उड़ाने वाले मामा-गिरोह के तीन बदमाशों को रेल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पटना जंक्शन रेल पुलिस की टीम ने स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो पर छापेमारी कर आनंद कुमार, चिंटू कुमार और प्रमोद कुमार को पकड़ा। हालांकि प्रमोद का मामा संतोष सोनी और एक अन्य कल्लू पासवान फरार हो गए। गिरफ्तार बदमाशों के पास से 38900 रुपए नकद, 55 हजार का 3 टच और 2 कीपैड वाले मोबाइल और करीब साढ़े तीन लाख के गहने बरामद हुए। यह मामा-भांजा गिरोह 30 साल पुराना है। इस पर पटना जंक्शन जीआरपी, मालसलामी, चौक और बिहारशरीफ रेल थाने में आधा दर्जन चोरी के केस दर्ज हैं। आनंद वैशाली के छोटी मरैया गांव का है जबकि चिंटू आलमगंज का रहने वाला है। प्रमोद भी आलमगंज का है जबकि उसका मामा संतोष सोनी गौरीचक में रहता है। एक अन्य फरार कल्लू पासवान पटना सिटी के बाहरी बेगमपुर का रहने वाला है। चोरी के जेवरों से संतोष ने गौरीचक में सोने-चांदी के गहनों की दुकान खोल ली। वह चोरी के गहनों को अपनी दुकान से बेचता था। साथ ही बंटवारे में जो गहने गिरोह के सदस्य को मिलते, उसे भी खरीद लेता था। चोरी के गहनों को भट्ठी में गला देता था, फिर उससे नए गहने बनाता था।रेल एसपी एएस ठाकुर ने बताया कि पिछले 30 साल से यह गिरोह ट्रेन में यात्रियों के गहने, मोबाइल व नकद उड़ाता था। महिलाएं इनका सॉफ्ट टारगेट होती थी।

मतदान कर सड़क किनारे बैठे वोटरों को अनियंत्रित कार ने रौंदा एक की मौत, चार लोग घायल

बेतिया, एजेंसी। बिहार के बेतिया में पैक्स चुनाव में मतदान कर सड़क किनारे बैठे वोटरों को तेज रफ्तार कार ने रौंद दिया। घटना जिले के नौतन प्रखंड के मड़ूआहा बूथ नंबर 6 से 6(क)(ख)(ग)(घ) की है। घटना में मृतक की पहचान वरदाहा मनियारी गांव के गोविंद राम (65) के रूप में की गई है। जबकि घायलों में रामचंद्र साह की पत्नी, घूटन महतो की बहू सुगांनती देवी, वीरू यादव (25) और उनकी बहन शामिल हैं। घटना के बाद सभी घायलों को इलाज के लिए आनन-फानन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहीं, प्राथमिक उपचार के बाद तीन लोगों की स्थिति गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए बेतिया जीएमसीएच रेफर कर दिया। जहां तीनों घायलों का इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक, नौतन प्रखंड में पैक्स के चुनाव में मतदान करने के बाद सभी वोटर बगीचे के किनारे बैठे थे। तभी जगदीशपुर से मच्छरगावां जा रही इनोवा कार ने अनियंत्रित होकर सभी लोगों को रौंदकर घायल कर दिया। वहीं, चालक कार छोड़कर मौके से फरार हो गया। इधर, घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि इस घटना में पैक्स प्रत्याशी विजय साह की बाइक भी दुर्घटना ग्रस्त हो गई है। हादसे के बाद मतदान केंद्र के आसपास घंटों अफरातफरी का माहौल बना रहा। उधर, टक्कर मारने वाली कार को गुस्साए ग्रामीणों ने ईंट-पत्थर और डंडे से पीट-पीट कर क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझा-बुझा कर किसी तरह शांत कराया। इधर, नौतन थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि आक्रोशित लोगों को समझा-बुझा कर शांत करा दिया गया है।

अवैध हथियार से हमला, बंदूक के कुंदे से पिटाई में युवक गंभीर घायल

सुपौल, एजेंसी। सुपौल जिले के नदी थानाक्षेत्र के तेतरियाही गांव में सोमवार दोपहर एक सनसनीखेज घटना हुई, जिसमें आपसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। बड़हारा पंचायत के वार्ड-2 में हुई इस घटना में एक सनकी युवक ने अवैध हथियार का इस्तेमाल करते हुए एक व्यक्ति की पिटाई कर दी। बंदूक के कुंदे से किए गए हमले में सिकंदर यादव नामक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें हमलावर खुलेआम हथियार लहराते और युवक को मारते हुए दिखाई दे रहा है।

खेत से गुजरते समय घात लगाकर हमला : घायल सिकंदर यादव ने बताया कि वह अपने खेत से होकर खाद-बीज खरीदने जा रहा था। जब गांव के ही विजय यादव और उनके परिजनों ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया। पहले से घात लगाए बैठे विजय यादव ने देसी कट्टा (थ्री नट) से वार किया और फिर बंदूक के कुंदे से उसकी पिटाई शुरू कर दी। हमला इतना गंभीर था कि सिकंदर लहूलुहान हो गया और उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा।

वीडियो में हथियार लहराता दिखा हमलावर: जानकारी के मुताबिक, घटना के दौरान मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने पूरी वारदात का वीडियो बना लिया। वीडियो में विजय यादव अवैध हथियार लेकर खुलेआम धमकाता और सिकंदर पर हमला करता नजर आ रहा है। वहीं, कुछ स्थानीय लोग बीच-बचाव की कोशिश करते दिखे। वीडियो वायरल होने के बाद घटना ने व्यापक ध्यान आकर्षित किया और क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है।

जख्मी युवक का अस्पताल में इलाज जारी : घायल सिकंदर यादव को स्थानीय लोगों ने अनुमंडलीय अस्पताल निर्मली पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू किया। उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। डॉक्टरों ने बताया कि सिर पर चोटें गहरी हैं, लेकिन स्थिति नियंत्रण में है।

पुलिस ने शुरू की जांच

घटना के संबंध में नदी थानाध्यक्ष राजू कुमार ने बताया कि पीड़ित की ओर से आवेदन मिला है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने वायरल वीडियो को भी जांच का हिस्सा बनाया है। घटना में इस्तेमाल किए गए हथियार की बरामदगी की कोशिश की जा रही है।

गांव में तनावपूर्ण माहौल

घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। स्थानीय लोग अवैध हथियार के खुलेआम इस्तेमाल को लेकर चिंतित हैं। वे पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह के हथियारों की मौजूदगी और उनका इस्तेमाल क्षेत्र की शांति के लिए गंभीर खतरा है।

चार बड़े व्यवसायियों पर नकली ब्रांड के चावल बेचने के आरोप में एफआईआर

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर जिले में शहर के चार प्रमुख व्यवसायियों पर नकली ब्रांड के चावल बेचने के गंभीर आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। यह शिकायत बेतिया के कुमार बाग औद्योगिक क्षेत्र स्थित चावल निर्माता कंपनी के प्रबंधक नृपेंद्र कुमार राय ने की है। आरोप है कि ये व्यवसायी उनकी कंपनी के ट्रेडमार्क और ब्रांड की नकल कर घटिया चावल बेच रहे थे। इससे न केवल कंपनी को आर्थिक नुकसान हुआ, बल्कि उसकी साख पर बट्टा लगा।

क्या है पूरा मामला?

कंपनी के प्रबंधक नृपेंद्र कुमार राय ने बताया कि उन्हें बीते कुछ वर्षों से सूचना मिल रही थी कि मुजफ्फरपुर की प्रमुख मंडियों, जैसे बाजार समिति, गोला रोड और अंडी गोला में उनकी कंपनी के ब्रांड का नाम लेकर घटिया चावल बेचा जा रहा है। इस सूचना के आधार पर कंपनी ने संबंधित स्थानों पर जांच कराई, जिसमें नकली ब्रांडिंग का मामला सामने आया। इसके बाद कंपनी ने नगर थाना में शिकायत दर्ज कराई।

बेतिया के कारोबारी ने की शिकायत

नामजद आरोपित और उनके खिलाफ आरोप

नगर थाना के एसएचओ शरत कुमार ने बताया कि मामले में चार नामजद आरोपित हैं। इनमें अंडी गोला के व्यवसायी राजकुमार साह, गोला रोड मंडी के व्यापारी राकेश कुमार, नारायणपुर बड़ी कोठिया क्षेत्र के पैकेजर नंद किशोर यादव और सिकंदरपुर निवासी तथा ब्रोकर सुनील अग्रवाल शामिल हैं। इसके अलावा, अन्य अज्ञात व्यवसायियों के खिलाफ भी नकली चावल बेचने का आरोप लगाया गया है।

प्रभाव और जांच की दिशा

शिकायतकर्ता ने कहा कि नकली ब्रांड के चावल बेचने से न केवल ग्राहकों के स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है, बल्कि इससे उनकी कंपनी के ब्रांड की साख को भी नुकसान हुआ है। नगर थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, एसएचओ शरत कुमार ने कहा कि पुलिस नकली चावल की बिक्री से जुड़े प्रत्येक पहलू की जांच करेगी। नामजद आरोपियों और उनके कथित नेटवर्क की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

कार्रवाई से व्यवसायियों में हड़कंप

इस कार्रवाई के बाद मुजफ्फरपुर की मंडियों, खासकर गोला रोड और अंडी गोला के व्यवसायियों में हड़कंप मच गया है। अन्य व्यापारियों ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि वे इस मामले में किसी तरह की संलिप्तता नहीं रखते।

सची हॉस्पिटल

NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)

पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल

9102779809, 9801344665

डॉ. एस. प्रसाद

एमएस कॉलेज में संविधान दिवस के अवसर कार्यक्रम का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

राष्ट्रीय सेवा योजना, मुंशी सिंह महाविद्यालय इकाई और मुंशी सिंह विधि महाविद्यालय, मोतिहारी के संयुक्त तत्वाधान में संविधान दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गई जिसमें 'भाषण प्रतियोगिता', 'नशा मुक्ति पर सामूहिक शपथ', और 'संवैधानिक मूल्यों के प्रति आस्था जगाने के लिए हस्ताक्षर अभियान' शामिल थे। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मृगेंद्र कुमार, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अमित कुमार, विधि विभाग के अध्यक्ष डॉ. मयंक कपिल, प्रो. इकबाल हुसैन, प्रो. एम. एन. हक, डॉ. अजय कुमार ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। तदोपरांत, माननीय प्राचार्य ने अपने अभिभाषण में कार्यक्रम की प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए कहा कि - "समाज में विद्यमान तमाम भेदभाव को मिटा कर एक समता मूलक समाज बनाने में संविधान की अहम भूमिका रही है।" उद्घाटन सत्र में आमंत्रित विद्वान के तौर पर विधि विभाग में कार्यरत असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉ. रंजू बाला एवं डॉ. आफरीन खानम ने संविधान के बनने की प्रक्रिया, इसके महत्व, वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता आदि विषयों पर सविस्तार से चर्चा की । इसी सत्र में बोलते हुए डॉ. मयंक कपिल ने संवैधानिक मूल्य, दर्शन एवं इसकी जटिलता को बहुत की सहज भाषा में सभी के बीच रखा। उद्घाटन सत्र के बाद भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के बच्चों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। अपने भाषणों में विद्यार्थियों ने संविधान के महत्व और समाज में इसके प्रभाव पर अपने विचार व्यक्त किए। इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ठ प्रदर्शन के लिए क्रमशः गुड़िया कुमारी (राजनीति विज्ञान विभाग), छोटी कुमारी (इतिहास विभाग), विकाश कुमार (विधि विभाग), और मुस्कान कुमारी (इतिहास विभाग) को मेडल एवं सर्टिफिकेट दे कर सम्मानित किया गया। छात्रों ने इस मंच का उपयोग संविधान के प्रति अपनी आस्था और सम्मान को व्यक्त करने के लिए भी किया। इसके बाद, राजनीति विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफ़ेसर श्री पवन कुमार ने उपस्थित छात्र–छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को नशा मुक्ति पर सामूहिक शपथ दिलाई। इस शपथ में सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों ने संकल्प लिया कि वे समाज में नशा मुक्ति के लिए जागरूकता फैलाएंगे और इस समस्या को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास करेंगे। कार्यक्रम का समापन संवैधानिक मूल्यों के प्रति आस्था जगाने के उद्देश्य से एक हस्ताक्षर अभियान के साथ हुआ, जिसमें सभी उपस्थित लोगों ने हस्ताक्षर करके अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। यह अभियान संविधान के प्रति सम्मान और आस्था को बढ़ावा देने के लिए था। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण और अरविंद, मोहित,हिमांशु, सुप्रिया, रीना, सृष्टि, सोनू, राधा, अभिषेक, लालाबाबू, अमन, अन्नू, तनु, सत्यम, शालू, सुप्रिया के साथ छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर आयोजित गतिविधियाँ विद्यार्थियों के बीच संविधान के महत्व और समाज में इसके प्रभाव के प्रति जागरूकता फैलाने में सफल रही। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्राचार्य ने कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अमित कुमार एवं विधि विभाग के अध्यक्ष डॉ. मयंक कपिल को बधाई दी । यह जानकारी मुंशी सिंह महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने दी है ।

जोनल जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता में पूर्वी चंपारण को मिला तीसरा स्थान

राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में के लिए किया क्वालीफाई

बीएनएम। मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जूनियर कबड्डी टीम ने मधुबनी में 26 नवम्बर को आयोजित जोनल जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया। जोनल प्रतियोगिता में पूर्वी चंपारण, प. चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, दरभंगा, मधुबनी की टीमें भाग ली थीं जिसमें पूर्वी चंपारण ने तीसरा स्थान प्राप्त कर बिहार राज्य कबड्डी संघ द्वारा आयोजित 50 वीं गोल्डेन जुबली जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता जो जमालपुर में दो से चार दिसम्बर तक आयोजित किया जाएगा उसके लिए क्वालीफाई कर लिया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में क्वालीफाई करने पर चंपारण में हर्ष का माहौल बन गया। टीम के वापस आने पर बुधवार को स्थानीय खेल भवन में अमन , राजा, नितेश, अब्दुल्ला, शिवम, प्रशांत, विपुल, तौफीक, सरफराज, रिशु, दिलीप, पवन खिलाड़ियों का भव्य स्वागत सह अभिनंदन मोमेंटो और पुष्प गुच्छ देकर किया गया। मौके पर प्रो . डॉ.कर्मात्मा पाण्डेय, पं.चंद्रकिशोर मिश्र, मो.मुबाशिर, रमेश कुमार,पूर्वी चंपारण कबड्डी संघ के अध्यक्ष अमित कुमार, सचिव भानू प्रकाश, धर्मवीर प्रसाद, मुन्ना गिरी, अरुण सर, पवन टिंकू जी, डॉ. चंदन जयसवाल, शैलेन्द्र मिश्र बाबा, अरविंद कुमार, सुनील कुमार, अमित कश्यप, रश्मि कुमारी, कोमल कुमारी, अंतिमा कुमारी,सिद्धार्थ वर्मा,बेनजीर खान इत्यादि मौजूद थे और खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

संक्षिप्त समाचार

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षांत समारोह 7 दिसंबर को

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति होंगे मुख्य अतिथि

बीएनएम। मोतिहारी। महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू), मोतिहारी का द्वितीय दीक्षांत समारोह दिनांक - 7 दिसंबर, 2024, दिन- शनिवार को आयोजित किया जाएगा। यह अवसर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों की शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव मनाने की दृष्टि से ऐतिहासिक होगा। इस दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में भारत के मा. उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। वे अपने प्रेरणादायक संबोधन से इस दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को नई शुरुआत के लिए प्रेरित करेंगे। यह कार्यक्रम मोतिहारी के राजा बाजार स्थित गाँधी प्रेक्षागृह में आयोजित होगा, जिसमें विश्वविद्यालय के मा. कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव सहित शैक्षणिक तथा सार्वजनिक जीवन की कई अन्य प्रतिष्ठित हस्तियाँ उपस्थित रहेंगी। महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने इस अवसर पर कहा, "दीक्षांत समारोह केवल शैक्षणिक सफलता का उत्सव नहीं है, बल्कि यह वह क्षण है, जब हमारे छात्र दीक्षांत के बाद एक वैश्विक नागरिक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का एहसास करते हैं। एम.जी.सी.यू. में हम महात्मा गाँधी के सिद्धांतों—सत्य, सेवा और समर्पण आदि से प्रेरित होकर शिक्षा प्रदान करते हैं। हमें गर्व है कि हमारे बीच मा. उपराष्ट्रपति महोदय मौजूद रहेंगे, जिनकी उपस्थिति हमारे छात्रों और शिक्षकों को प्रेरित करेगी।" समारोह में विभिन्न पाठ्यक्रमों के स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट (पी-एच.डी. कार्यक्रमों के छात्रों को उपाधियाँ प्रदान की जाएंगी। प्रत्येक विभाग के शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। मा. उपराष्ट्रपति के प्रेरणादायक संबोधन में शिक्षा के माध्यम से भारत के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का महत्व उजागर होने की उम्मीद है। वे छात्रों को व्यक्तिगत आकांक्षाओं और स्वप्नों को समाज और राष्ट्र के कल्याण के साथ जोड़ने के लिए प्रेरित करेंगे। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को भी प्रदर्शित किया जाएगा, जिसमें शोध, शैक्षणिक उत्कृष्टता और समाज सेवा में बढ़ती पहचान शामिल है।

सीतामढ़ी को 2-0 से हरा कर सेमीफाइनल में पहुंचा रीगा

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के घोड़ासहन प्रखंड स्थित ठाकुर राम मथुरा प्रसाद उच्च विद्यालय के खेल मैदान में शस्त्र सीमा बल 20वीं वाहिनी सीतामढ़ी द्वारा आयोजित शहीद किशोर कुणाल फुटबॉल नॉक आउट टूर्नामेंट में मंगलवार को दो मैच खेले गए। जिसमें पहला मैच रीगा व सीतामढ़ी के बीच खेला गया। उक्त मैच में रीगा की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते सीतामढ़ी को 2-0 से हरा कर सेमीफाइनल में क्वालीफाई कर लिया।वहीं दूसरा मैच घोड़ासहन टाउन क्लब व प्रोग्रेस क्लब घोड़ासहन के बीच खेला गया।जिसमे दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया।उक्त संघर्षपूर्ण मैच में घोड़ासहन टाउन क्लब ने प्रोग्रेस क्लब घोड़ासहन को 2-1 से हरा कर सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली।मैच के पूर्व मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे डिप्टी कमांडेंट खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ किया।

सुगौली में आठ शराब कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी। सुगौली थाना पुलिस ने विशेष अभियान के तहत सघन छापेमारी करते आठ शराब कारोबारी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है। इसकी जानकारी देते थानाध्यक्ष ने बताया कि इस अभियान के दौरान शराब कांड के वांछित सुगौली निवासी रंजन कुमार,सुगांव के बढही टोला के विनोद शर्मा,धनही के संजीत सहनी,संतोष सर्राफ,सुगांव के लालबाबू साह,भवानीपुर के सनोज यादव,चंद्रिका सहनी,छपवा चौंक के मोईन मियां को गिरफ्तार किया गया है। छापेमारी टीम में थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह,एसआई अभिनव राज,उमाशंकर राम सहित थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के 'प्रबंधन विज्ञान विभाग' में 'वित्तीय कार्यशाला' का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के -प्रबंधन विज्ञान विभाग' में एक विशेष 'वित्तीय कार्यशाला' का आयोजन किया गया, जिसमें बिजनेस और वित्तीय ज्ञान पर केंद्रित महत्वपूर्ण चर्चाएं हुईं। यह कार्यशाला में मुख्य अतिथि 'युवा उधमी' अंगद प्रताप सिंह थे, जिनका व्यापक अनुभव और विशेषज्ञता छात्रों के लिए बेहद लाभकारी रही। इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के प्रबंधन विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. सपना सुगंधा के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों को व्यवसायिक और वित्तीय ज्ञान प्रदान करना था, जिससे वे अपने करियर को सही दिशा में आगे बढ़ा सकें। श्री अंगद प्रताप सिंह ने बिजनेस की विभिन्न तकनीकों, फाइनेंशियल मैनेजमेंट और छात्रों को पाकेट मनी से बचत करके निवेश करनें का सुझाव और प्रभावी निर्णय लेने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को वर्तमान व्यापारिक परिदृश्य और उद्योग में उभरती चुनौतियों के लिए तैयार रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित शिक्षकों ने भी सक्रिय भागीदारी की। डॉ. अलका लल्हाल, डॉ. कमलेश कुमार, डॉ. स्नेहा चौरसिया और रिसर्च स्कॉलर राजीव कुमार ने वित्तीय प्रबंधन और व्यवसाय विकास के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने छात्रों को व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने और अपने ज्ञान को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार अद्यतन करने की सलाह दी। छात्रों ने कार्यशाला में अत्यधिक रुचि दिखाई और विशेषज्ञों से विभिन्न सवाल पूछे। छात्रों ने इस कार्यशाला को बेहद प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक बताया। कार्यक्रम का माहौल इंटरएक्टिव रहा, जिससे छात्रों को उद्योग विशेषज्ञों से सीधे संवाद करने और उनके अनुभवों से सीखने का अवसर मिला। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें डॉ. सपना सुगंधा ने सभी प्रतिभागियों और विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने छात्रों से इस प्रकार की कार्यशालाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया। इस कार्यशाला ने छात्रों को वित्तीय प्रबंधन और व्यवसायिक कौशल के महत्व को समझने में सहायता प्रदान की। साथ ही, यह उन्हें भविष्य में बेहतर करियर के लिए प्रेरित करने में सफल रही। विश्वविद्यालय के इस प्रयास की सराहना सभी प्रतिभागियों ने की।

मद्य निषेध के क्षेत्र में बेहतर कार्य के लिए पीपराकोठी थानाध्यक्ष हुए पुरस्कृत

सचिव ने दिया मद्य निषेध पदक

बीएनएम। मोतिहारी

मद्य निषेध के क्षेत्र में बेहतर, सकारात्मक व उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुलिस निरीक्षक सह पीपराकोठी थानाध्यक्ष खालिद अख्तर को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया। मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन विभाग बिहार सरकार के मंत्री रत्नेश सदा द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र विभाग के सचिव ने उन्हें प्रदान किया। उन्हें मेडल व स्मृति पत्र देकर सम्मानित किया। मंत्री ने नशामुक्ति दिवस के अवसर पर पटना में आयोजित समारोह में उन्हें सम्मानित किया। यह सम्मान उनके नशामुक्ति से संबंधित विभिन्न अथक प्रयासों सहित उत्कृष्ट कार्यों के कारण दिया गया। मद्य निषेध को लेकर थानाध्यक्ष खालिद अख्तर ने सुदूर प्रांतों तक लोगों को जागरूक करने व इस क्षेत्र में लिप्त कई लोगों को समाज के मुख्य धारा में लाने का बेहतर कार्य किया है। उनके द्वारा अवैध शराब की कई बड़ी खेपों को ध्वस्त कर माफियाओं के मंसूबों पर पानी फेरा गया है। कई शराब माफियाओं की गिरफ्तारी हुई है। उनके कई ठिकानों को भी इन्होने ध्वस्त किया है।

जनप्रतिनिधियों के सहयोग से खोजे जा रहे है यक्ष्मा के मरीज

- कैम्प का आयोजन कर बी.पी, शुगर, लंबाई, वजन और टीबी के संदिग्ध मरीजों की हुईं स्क्रीनिंग
- अल्ट्रा पोर्टेबल डिजटल एक्सरे मशीन से टीबी मरीजों की होती है तुरंत पहचान

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के जनप्रतिनिधी भी प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान में मुख्य भूमिका निभा रहें है वहीं अपने क्षेत्र के लोगों को टीबी जैसे गंभीर बीमारी से बचाव के लिए जागरूक कर रहें है तो दूसरी तरफ स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर कैंप लगवाकर लोगों की स्क्रीनिंग करवा रहें हैं।ताकि टीबी के मरीजों की सही समय पर पहचान हो एवं इसके प्रसार दर में कमी हो। पकड़ीदयाल प्रखंड क्षेत्र के चैता पंचायत के मुखिया मिथलेश देवी के सहयोग से चैता पंचायत में वर्ल्ड विज़न इंडिया के द्वारा मेघा एक्सप्रेस हेल्थ कैम्प का आयोजन कर बी.पी, शुगर, लंबाई, वजन और टीबी के संदिग्ध मरीजों का स्क्रेनिंग अल्ट्रा पोर्टेबल डिजटल एक्सरे मशीन से किया गया। वहीं हेल्थ कैम्प का उद्घाटन चैता पंचायत के मुखिया श्रीमती मिथलेश देवी और वर्ल्ड विज़न इंडिया के जिला पर्यवेक्षक रंजन कुमार वर्मा ने बताया कि हेल्थ कैम्प में लगभग 125 लोगो का स्क्रेनिंग किया गया जिसमें से 39 टीबी के संदिग्ध रोगी पाये गये जिनका बलगम संग्रह कर नेट टेस्टिंग के लीये अनुमंडलिये अस्पताल पकड़ीदयाल में भेजा गया टेस्ट रिपोर्ट आने पर टीबी का मेडिसिन शुरू किया जायेगा एसटीएलएस ओमप्रकाश और एसटीएस सुमन कुमार ने बताया इस एक्सप्रेस हेल्थ कैम्प से जनमानस का काफी लाभ मिल रहा हैं अल्ट्रा पोर्टेबल से दो मिनट के अंदर एआई द्वारा रिजल्ट पता चल जाता हैं प्रधानमंत्री का लक्ष्य हैं प्रत्येक प्रखंड से दो दो पंचायत का चयनित कर उसे टीबी फ्री पंचायत बनना हैं उस पंचायत में ज्यादा तर कैम्प किया जा रहा हैं और एक्टिव केस फाईंडिंग किया जा रहा है जिन रोगियो का टीबी सस्पेक्ट करता हैं उस रोगी का बलगम भी संग्रह कर नेट टेस्टिंग के लिये भेजा जा रहा हैं ताकि उस पंचायत को जल्द से जल्द टीबी फ्री किया जा सके क्योंकि प्रधानमंत्री का जो लक्ष्य हैं 2025 तक टीबी फ्री इण्डिया बनाने का उसे सफल बनाया जा सके इसके लेकर विर्ल्ड विज़न इंडिया एनटीईपी को पूरा समर्थन कर रही हैं ताकि इस कार्यक्रम को सफल बनाया जा सके। मौके पर विर्ल्ड विज़न इंडिया के जिला पर्यवेक्षक रंजन कुमार वर्मा, मुखिया मिथलेश देवी, सुमन कुमार, ओमप्रकाश,स्टाफ नर्स, रुपा कुमारी, प्रवीन कुमार रेडियो ग्राफर महमद सैफ अली व अन्य लोग मौजूद थे।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

केसरिया सीएचसी में निःशुल्क डिजिटल एक्स-रे सेवा की शुरुआत

बीएनएम। केसरिया

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केसरिया में अत्याधुनिक डिजिटल एक्स-रे मशीन स्थापित की गई है। जहाँ मरीजों का निःशुल्क एक्स-रे किया जाएगा। इस सेवा का शुभारंभ कर दिया गया है। जिसका उद्घाटन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अर्चना ने फीता काटकर किया।प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि स्वास्थ्य सेवा को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से सीएचसी में स्वास्थ्य विभाग व ब्रीज हेल्थ सर्विसेज इण्डिया लिमिटेड के द्वारा निःशुल्क डिजिटल एक्स-रे की सुविधा बहाल की गई है। अब ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को निजी एक्स-रे केंद्रों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मौके पर चिकित्सक डॉ उदय कुमार, डॉ प्रमोद कुमार, स्वास्थ्य प्रबंधक धर्मराज कुमार, उमेश कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे।

कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हुआ संपन्न

- युवाओं एवम महिलाओं में दिखा काफी उत्साह

बीएनएम। सिकरहना

ढाका प्रखंड के पचपकड़ी थाना अंतर्गत भंडार पंचायत में कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह सात बजे से संध्या पांच बजे तक मतदाताओं ने अपना अपना मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतार उत्क्रमिक मध्य विद्यालय बसहिया में देखा गया,जो दोपहर तक मतदाताओं की गर्मजोशी के साथ मतदान किया गया। वहीं भंडार पंचायत की बात की जाए तो भंडार पंचायत के वर्तमान पैक्स अध्यक्ष मो. मुख्तार आलम दशकों से पैक्स अध्यक्ष पद पर काबिज हो रहे हैं। लेकिन इस बार की चुनाव में भंडार के ही मो. आफताब ने पैक्स चुनाव में नामांकन कर चुनाव को दिलचस्प बना दिया है। जो बूथ पर खबर संकलन के समय देखने को मिला। मतदाताओं को बूथ पर पूरे गर्मजोशी के साथ मतदान करने की देखा गया। वहीं दोनों प्रत्याशी ने अपना अपना जीत के लिए दबाकर रहा था। जिसका परिणाम दोनों प्रत्याशी को भाग्य का फैसला मतदाताओं ने सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक बैलेट पर मुहर लगा कर भाग्य को बक्शे में बंद कर दिया। शाम होते ही दोनों प्रत्याशी के समर्थक के साथ प्रत्याशी वोटरों को किस पक्ष में वोट डालने के साथ जीत हार की आंकलन करने लगे। इसके साथ ही गांव मोहल्लों के अलावा चौक चौराहों पर भी किस प्रत्याशी को कितना मत प्राप्त होगा उसका भी आंकलन करते देखा गया। जबकि पचपकड़ी थाना अंतर्गत पचपकड़ी पंचायत में निर्विरोध पैक्स अध्यक्ष चुनाव हो चुका हैं। आगे बताते चले कि चुनाव प्रक्रिया में अधिकारियों में साथ प्रशासन पूरे मुस्तैदी के साथ बूथ पर ड्यूटीरत रहे।साथ ही पचपकड़ी थानाध्यक्ष संदीप कुमार स्वयं गस्ति करने के साथ बूथ पर पहुंचते ही बूथ कैंपस में अनावश्यक लोगों से पूछताछ करते हुए लाल झंडी के बाहर रहने की सलाह देकर बाहर हटा देते थे। साथ ही मजिस्ट्रेट के तौर पर तुरकौलिया अंचलाधिकारी संतोष कुमार अपने दलबल के साथ सभी बूथों पर निरीक्षण करते रहे। वहीं भंडार पंचायत में कुल मतदाता इक्कीस सौ तेरह में तेरह सौ साठ मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग कर दोनों प्रत्याशी को भाग्य बक्सा में बंदकर दिया। जो आज गुरुवार को गिनती कर भाग्य का फैसला सुनाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

केविके परसौनी किसानों को उपलब्ध करा रहा प्राकृतिक तरीके से तैयार सब्जी व फूल के पौधे

नीम,हल्दी,गोबर व गोमूत्र के इस्तेमाल से तैयार किये गये है पौधे

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के परसौनी स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों ने स्वस्थ एवं गुणवत्तायुक्त फल व सब्जियों के पौधे उगाने के लिए प्राकृतिक पौधशाला तैयार किया है।जिसमे स्वस्थ व तेजी से विकसित होने वाले पौधे तैयार कर किसानो को वितरित किया जा रहा है। प्राकृतिक पौधशाला की तैयारी में लगे केन्द्र के मृदा विशेषज्ञ डा.आशीष राय ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि पारिस्थितिकी के लिहाज से प्रकृति के अनुकुल इन पौधे से किसानो को सब्जी की खेती करने में कम लागत आएगी। चुंकी इन पौधो को तैयार करने प्राकृतिक घटकों जैसे घनामृत, जीवामृत और बीजामृत, नीमास्त्र को शामिल किया गया है। ये सभी घटक नीम के पत्ते,खल्ली,गोबर,गो मूत्र व हल्दी आदि समाग्रियों से तैयार किए गए हैं। जिससे यह पौधे शुरुआत से ही काफी स्वस्थ है। डा.राय ने बताया कि केन्द्र के वैज्ञानिकों ने इस प्राकृतिक पौधशाला में बैगन,गोभी, मिर्च, टमाटर, गेंदा, गुलदाऊदी, ब्रोकली पपीता व सहजन के पौधे तैयार किये है। जो अब किसानों को सस्ते दर पर उपलब्ध कराया जा रहा हैं,साथ ही इन पौधो को लगाने में प्राकृतिक अवयव के प्रयोग की विधि भी बतायी जा रही है।उन्होने बताया कि प्राकृतिक पौधशाला में जब बीज डाला गया तो इसमे अधिकतम बीजों का अंकुरण हुआ है और पौधे भी स्वस्थ और मजबूत हैं। नीमास्त्र के उपयोग से कीट का प्रकोप भी नहीं दिखा है। -किसान कैसे तैयार करें प्राकृतिक खेती की नर्सरी पौधों की नर्सरी तैयार करने के लिए सबसे पहले बेड तैयार कर इसमे क्यारियां बना ले।जिसमें घनामृत और वर्मी कंपोस्ट डाले।नर्सरी तैयार करने के पहले वर्मीकंपोस्ट खाद, गोबर की खाद, घनामृत, सभी चीजों को मिलाकर पौधशाला में डालने के बाद बीज को बीजामृत से उपचारित कर कतार में डाले।

चेक बाउंस केश में अभियुक्त की हुई दो साल की कारावास

बीएनएम। सिकरहना। अनुमंडल न्यायालय में चेक बाउंस की एक परिवाद दायर किया गया था। जिसमें वर्षों बाद परिवादी को आज न्याय मिला है। आगे बताते चले कि जगमोहन सिंह ने सिकरहना व्यवहार न्यायालय में परिवाद संख्या 274/21 एक चेक बाउंस की केश दायर किया था। जिसमें वादी के ऊपर चेक देकर पैसा लेने का आरोप लगाकर पैसा हड़प लेने की बात कही गई थी। जिसमें जुडिशियल मजिस्ट्रेट विनीत कुमार सिंह सिकरहना, ढाका के यहां केश चल रहा था। जिसमें माननीय कोर्ट में परिवादी की ओर से वकीलों की सभी दलील को सुनने के बाद बुधवार को न्यायालय ने संजय कुमार सा. चैनपुर ढाका को दो वर्ष की सजा के साथ चेक भेल्यू की दुगुना राशि परिवादी को देने की सजा सुनाई है। जिससे परिवादी ने न्यायालय की फैसला को सराहनीय बताया।

कारा अधीक्षक के पद पर मनीष का चयन

बीएनएम। केसरिया। बीपीएससी ने 69 वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है। इसमें क्षेत्र के कढान निवासी मनीष कुमार ने सफलता अर्जित की है। इस सफलता के बाद मनीष कारा अधीक्षक का पद संभालेंगे। वह सेवानिवृत्त सैनिक बैधनाथ यादव व गृहणी चंपा देवी के पुत्र हैं। चार भाईयों में तीसरे मनीष फिलहाल वित्त विभाग के पटना कमिश्नरी में सहायक अंकेक्षण पदाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। एक भाई अनिल यादव सेना में कार्यरत हैं। जबकि छोटा भाई दिलीप कुमार एमबीबीएस अंतिम वर्ष का छात्र है। सबसे बड़ा भाई सुनील यादव किसान हैं। मनीष ने दूरभाष पर बताया कि सहायक अंकेक्षण पदाधिकारी के पद पर कार्य करते हुए परीक्षा की तैयारी करना मुश्किल था। ऑफिस के कार्य के बाद परीक्षा की तैयारी करते थे। कठिन परिश्रम की बदौलत सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि पिता, भाई व चाचा ललन यादव की प्रेरणा से इस मुकाम को हासिल किया है। इधर, इस सफलता से परिवार में हर्ष का माहौल है। पूर्व विधायक डॉ राजेश कुमार, पंसस नरेंद्र कुमार, संजय कुमार यादव, राजद नेता अवधेश राय, सीताराम यादव, केसरिया चैंबर ऑफ कॉमर्स के महासचिव राकेश कुमार रत्न सहित अन्य ने हर्ष व्यक्त किया है।

13 पैक्सों के हुए मतगणना में 3 पैक्स अध्यक्ष बदले

बीएनएम। रामगढ़वा

स्थानीय प्रखंड के 13 पंचायतों में मंगलवार को हुए पैक्स चुनाव का मतगणना बुधवार को कड़ी प्रशासनिक सुरक्षा के बीच स्थानीय श्री गणेश पाण्डेय महावीर लाल उच्च विद्यालय में हुआ। इस मतगणना में 13 पैक्सों में 3 पैक्स अध्यक्ष बदल गए हैं |बाकी 7 पैक्स अध्यक्ष अपना सीट बचाने में सफल रहे है |वहीं कांटे की टक्कर में बैरिया पैक्स मीना देवी 16 मत से विजई हुई है |जिसमें उच्ची भटिया पैक्स से रंजीत सिंह उर्फ गुड्डू सिंह अपने प्रतिद्वंद्वी सोनू सिंह से 186 मतों से विजयी हुए। रंजीत सिंह को कुल 614 मत मिला , जहां सोनू सिंह को 427 मत प्राप्त हुए। आमोदेई से मोतिउर राजा विजयी हुए मोतीउर राजा को 531 मत मिले वही प्रतिद्वंदी यतीम मियां को 433 मत मिले इस तरह 98 वोट से विजई हुए |अधकपरिया पंचायत से आजाद आलम उर्फ पिंटू को 688 मत प्राप्त हुए जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी अंजय यादव को 619 मत प्राप्त हुए। अहिरौलिया पंचायत से मनीष सिंह 159 मतों से विजयी घोषित किए गए। मनीष सिंह को कुल 700 मत प्राप्त हुए। वहीं दूसरे नंबर पर अभय गुप्ता रहे। चंपापुर पंचायत से चंद्र देव प्रसाद 600 मतों से विजई घोषित किए गए। चंद्रदेव प्रसाद को 861 मत प्राप्त हुए एवं उनके प्रतिद्वंदी मोहम्मद सैफुल्लाह को 261 मत प्राप्त हुए। धनहर दिहुली पंचायत अहिल्या देवी 746 मतों से विजयी घोषित की गई। अहिल्या देवी को 1553 मत प्राप्त हुए एवं उनके प्रतिद्वंदी प्रमोद राम को 807 मत प्राप्त हुए। जैतपुर पंचायत से इफ्तेखार अहमद 341 मतों से विजयी घोषित किए गए। इफ्तेखार अहमद को 775 मत प्राप्त में जबकि शकील अहमद को 414 में प्राप्त हुए। बैरिया पंचायत से मीना देवी (पति मनोज सिंह)16 मतों से विजयी घोषित की गई। मीना देवी को 525 मत प्राप्त हुए, जबकि उनके प्रतिद्वंदी अजय सिंह को 509 मत प्राप्त हुए। पखनहिया पंचायत से पुष्पेंद्र तिवारी 349 मतों से विजई घोषित किए गए। पुष्पेंद्र तिवारी को जहां 959 मत प्राप्त हुए, वहीं उनके प्रतिद्वंदी सुरेश साह को 610 मत प्राप्त हुए। सिंहासिनी पैक्स में रमाकांत सिंह , शिवनगर मुकेश ओझा , बेला शत्रोहन प्रसाद , सकरार से अरुण सिंह |इस चुनाव निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु रामगढ़वा प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निर्वाची पदाधिकारी राकेश कुमार, सुगौली इंस्पेक्टर अशोक पाण्डेय तथा रामगढ़वा थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार पालनवा थानाध्याक्ष रमेश महतो, सहित अन्य पदाधिकारी पूरे क्षेत्रों में चुनाव की मॉनिटरिंग करते रहे थे।वही प्रखंड क्षेत्र के बेला पंचायत के गिनती में गजब का खेला हुवा है बता दे की बेला पंचायत में अध्यक्ष पद के लिए 1134 मत पड़ा था और गिनती के समय 1252भोट मिला है इस पंचायत का गिनती से चुनाव आयोग पर सवालिया निशान उठाने लगा है।इस मामला को लेकर प्रखंड क्षेत्र में चर्चा का विसय है।

रक्सौल आरपीएफ ने प्रतिबंधित कफ सीरप के साथ दो को किया गिरफ्तार

55 पीस प्रतिबंधित कप सिरप बरामद

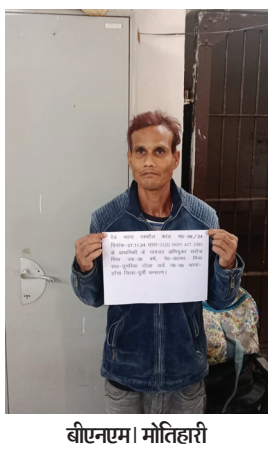

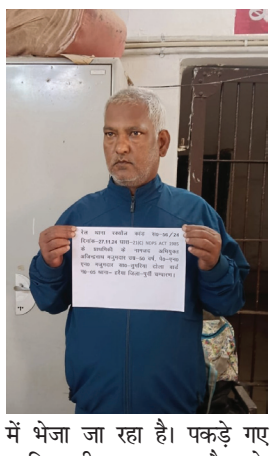

बीएनएम। मोतिहारी

रक्सौल आरपीएफ के जवानों ने इंस्पेक्टर ऋतुराज कश्यप के नेतृत्व में प्लेटफॉर्म संख्या एक स्थित ओभरब्रिज के पास जांच के दौरान दो व्यक्ति के पास से 55 पीस प्रतिबंधित कप सिरप के साथ गिरफ्तार किया है । इसकी पुष्टि करते हुए आरपीएफ पोस्ट के कमांडर ऋतुराज कश्यप ने बताया कि जांच के दौरान दो लोगों को 55 पीस प्रतिबंधित कप सिरप के साथ गिरफ्तार किया गया है। जिन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान रक्सौल के हरैया थाना निवासी सरोज मियां व अजिन्द्रनाथ मजूमदार के रूप में की गयी है। उल्लेखनीय है,कि भारत नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र में मादक पदार्थ की तस्करी को लेकर एसपी स्वर्ण प्रभात के समन्वय से जिले मे एसएसबी आरपीएफ के जवानो द्धारा लगातार सघन जांच व छापेमारी की जा रही है।जिसका फलाफल है,कि बीते माह के दौरान सीमा क्षेत्र में सक्रिय तकरीबन एक दर्जन से ज्यादा ड्रग कारोबारी पकड़े गये है।

चरस तस्करी मामले में एक को बारह वर्ष का सश्रम कारावास

बीएनएम। मोतिहारी

मद्य निषेध न्यायालय-2 के अनन्य विशेष न्यायाधीश सूर्यकांत तिवारी ने चरस तस्करी मामले में दोषी पाते हुए नामजद एक अभियुक्त को बारह वर्षों का सश्रम कारावास एवं एक लाख रुपए अर्थ दंड की सजा सुनाए है। अर्थ दंड नहीं देने पर छह माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। सजा नेपाल सबरती जिला के तिलाडी निवासी देवनारायण यादव के पुत्र विजय कुमार को हुई। मामले में रक्सौल थाना के तत्कालीन थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने रक्सौल थाना कांड संख्या 456/2022 दर्ज कराया था। जिसमें कहा गया था कि 28 सितंबर 2022 के करीब दोपहर 3.30 बजे गुप्त सूचना के आधार पर रक्सौल बाटा चौक के समीप हाथ में प्लास्टिक का झोला लिए एक युवक को पकड़ा गया। जांच के दौरान उसके झोला से 3.100 किलोग्राम चरस पकड़ा गया। एनडीपीएस वाद संख्या 91/2022विचारण के दौरान अपर लोक अभियोजक सह एनडीपीएस के विशेष लोक अभियोजक प्रभाष त्रिपाठी ने सात गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर अभियोजन पक्ष रखा। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों के दलीलें सुनने के बाद धारा 20(बी)ii (सी) एवम् 23(सी) में दोषी पाते हुए उक्त सजा सुनाया है।

टेंपू और टैंकर की टक्कर टेंपू सवार हेडमास्टर की हुई मौत,तीन शिक्षिका घायल

बीएनएम। मोतिहारी

टेंपू और टैंकर की टक्कर में टेंपू सवार एक प्रधानाध्यापक की मौत हो गई।जबकि तीन महिला शिक्षक बुरी तरह से घायल हो गई हैं। घटना पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी पकड़ीदयाल मार्ग पर मधुबनी घाट के समीप की है।बताया जा रहा है कि मधुबन के भेलवा स्कूल में तैनात प्रधान शिक्षक नरेश राम अपने सहयोगी शिक्षकों के साथ मोतिहारी से ऑटो पर सवार होकर स्कूल के लिए निकले थे, तभी तेज रफ्तार तेल टैंकर ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद ऑटो बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। इस भीषण हादसे में शिक्षक नरेश राम की मौके पर ही मौत हो गई है वहीं तीन महिला शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और घायल शिक्षकों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

स्माग का खतरनाक रूप

भारत अब दुनिया प्रति वर्ष सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करने वाला देश बन गया है। भारत का उत्सर्जन चीन की तुलना में 22 गुना तेजी से बढ़ रहा है। इस वर्ष भारत के उत्सर्जन में 4.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान लगाया गया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सहित देश के कई इलाकों में स्माग ने खतरनाक रूप अपना रखा है। अब यह हर साल की कहानी हो गई है- इस सीजन में धुंध और हवा में मौजूद प्रदूषक तत्वों से बना स्मॉग वातावरण पर छा जाता है। जब यह हो जाता (या होने लगता) है, तब सरकारें और न्यायपालिका सब सक्रिय होती हैं। जब माहौल गुजर जाता है, तो सब भूल जाते हैं। इस सीजन में खासकर पंजाब के किसानों को खूब कोसा जाता है। उनके पराली जलाने को राजधानी वासियों की मुसीबत का मुख्य कारण बताकर समस्या की असल वजहों को चर्चा से बाहर रखने में कामयाबी पा ली जाती है।

मगर अजरबैजान के बाकू में चल रहे संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन के मौके पर जारी दो रिपोर्टों पर ध्यान दीजिए। एक रिपोर्ट ग्लोबल कार्बन बजट प्रोजेक्ट नाम की संस्था है और दूसरी अमेरिका के ऊर्जा सूचना प्रशासन (ईआईए) की।

दोनों में शामिल आंकड़ों का निष्कर्ष है कि भारत अब दुनिया प्रति वर्ष सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करने वाला देश बन गया है। भारत का उत्सर्जन चीन की तुलना में 22 गुना तेजी से बढ़ रहा है। इस वर्ष भारत के उत्सर्जन में 4.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान लगाया गया है। चीन में वृद्धि महज 0.2 प्रतिशत रहेगी, जबकि अमेरिका में 0.6 प्रतिशत की गिरावट आएगी। पूरे विश्व के उत्सर्जन में 1.1 फीसदी बढ़ोतरी होगी। सकल घरेलू उत्पाद की तुलना में भारत में बढ़ोतरी 6.5 प्रतिशत और चीन में 4.5 प्रतिशत रहेगी। भारत में इस साल पेट्रोलियम की मांग 280 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। चीन के लिए यह आंकड़ा 90 प्रतिशत और अमेरिका के लिए 40 प्रतिशत है। तात्पर्य यह कि भारत में जलवायु का बिना कोई ख्याल किए कार्बन उत्सर्जन को अनियंत्रित बनाए रखा जा रहा है। पिछले दस साल में पर्यावरण मानदंडों के पालन संबंधी नियमों में जिस तेजी से ढील दी गई है, उस पर गौर करें, तो ये बात और साफ हो जाती है। स्पष्टतः अपने देश में यह समझ बनाने का कोई प्रयास नहीं है कि पर्यावरण रक्षा अपने लिए है, ना कि यह दुनिया पर कोई एहसान है।

अराजकता फैलाने की बातें मतदाताओं को पसंद नही

आज़ाद भारत के इतिहास में तेईस नबंवर की तारीख़ कई मायने में बेहद अहम है। कल तक जिस भाजपा के खिलाफ राजनीतिक दलों और उनके रहनुमाओं ने मुसलमानों को जो डर दिखा कर एकजुट रक्खा था उसी फार्मूले से भाजपा ने बहुसंख्यक हिंदुओं को अपने हक़ में खड़ा करने का करिश्मा कर डाला है।Óबटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो सेफ रहेंगेÓज् इस के साथ ही वक़्फ़ बोर्ड के असीमित अधिकारों को लेकर जेपीसी की बैठकों में जिस तरह के विवाद और एक किसिम की हुल्लड़बाजी की खबरें और बयानबाजी हुई उसने भाजपा की राह महाराष्ट्र में आसान कर दी। आगे इस मुद्दे पर विपक्ष और सत्ता पक्ष के व्यवहार पर देश के जनमानस की पैनी नज़र रहेगी। बहरहाल बहुसंख्यक वर्ग को भाजपा से अधिक विपक्ष के रवैए ने यह समझाने में सहयोग किया कि अल्पसंख्यक की भाँति एक नहीं हुए तो तुम्हारे हितों को काट कर उनको दिया जाएगा जो एकमुश्त वोट करते हैं । विपक्ष ने संतुलन की रणनीति पर काम नही किया तो महाराष्ट्र जैसे नतीजे आगे भी आते रहेंगे । इसे लेकर भाजपा मारे खुशी के फूल कर कुप्पा हुई जा रही है।

नतीजतन महाराष्ट्र सरीखे अहम सूबे में कांग्रेस की लीडरशिप में चुनाव लड़ रही महा आगाड़ी विकास पार्टी की धोबी घाट वाली धुलाई हो गई । राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस से अलग होकर एनसीपी बनाने मराठा सरदार शरद पवार और पूर्व सीएम उद्दव ठाकरे का कांग्रेस के माईबाप राहुल गांधी जी का विधानसभा चुनाव के नतीजों ने बैण्ड बाजा जुलूस निकाल दिया है । दो सौ अठ्ठासी सीटों वाले महाराष्ट्र में भाजपा नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने दो सो तीस विधायकों की जीत के साथ जो धमाका किया उसकी गूंज देर तक और बहुत दूर तक सुनाई देगी । लेकिन दूसरी तरफ़ झारखंड राज्य ने हेमंत सोरेन वाले इंडी ब्लाक को एक तरफा बहुमत देकर विपक्ष के दिए की लौ को भी ठंडी नही होने दिया ।

इसलिए देश के चतुर सुजान मतदाताओं को साष्टांग दण्डवत प्रणामज्क्योंकि वह लोकसभा चुनाव में दो सौ चालीस सीट पर भाजपा के अश्वमेघ यज्ञ को रोक कर नियंत्रित और नियोजित होने का निर्देश देता है तो दो सौ बहत्तर के स्थान पर केवल निन्यानवे सीटें जिताकर क़ायदे में रहने की नसीहत देता है । इसके बाद भी जब एनडीए के बहुमत वाली मोदी सरकार गिराने की धमकी देकर बांग्लादेश जैसी अराजकता फैलाने की बातें करने वाली कांग्रेस और उनके साथियों का कई राज्यों में बोरिया बिस्तर बांध कर साफ़ कर दिया है कि मतदाताओं को यह पसंद नही है। खैर , राज्यों के चुनावी नतीजों पर आते हैं-महाराष्ट्र में अ_त्तर विधायकों वाला जो अगाड़ी गठबंधन फिर से सरकार बनाने का दावा कर रहा था उसके मात्र अड़तालीस प्रत्याशी ही विधायक बन पाए । जबकि एकनाथ शिंदे की शिवसेना से और एनसीपी से अजीत पवार की बगावत के पहले उद्दव ठाकरे के नेतृत्व में महा अगाड़ी गठबंधन सरकार चला रहा था।

अडानी मुद्दाः क्या भारत व उसके नागरिकों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय साजिश चल रही

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

दुनिया भर में भारतीय उद्योगपतियों और व्यापारियों का उदय "डीप स्टेट" वैश्विक बाजार ताकतों और चीन के लिए बड़ा मुद्दा है। दुनिया भर में सत्ता और नियंत्रण खोने के डर से वे चिंतित हैं और किसी भी भारतीय व्यापारी या उद्यमी का उदय इन स्वार्थी ताकतों द्वारा हल्के में नहीं लिया जाएगा। नतीजतन, वे अब अडानी की वैश्विक उपस्थिति में तेजी से वृद्धि करने को लक्ष्य बना रहे हैं। हिंडनबर्ग के पहले दो प्रयास पूरी तरह से असफल रहे और अब रिश्वतखोरी के नए आरोप सामने आए हैं। आरोपों का समय कई संदिग्ध चीजों का संकेत देता है इसलिए राहुल गांधी और कई विपक्षी दलों द्वारा समर्थित डीप स्टेट ताकतों द्वारा एक और कथा इसकी सत्यता पर सवाल उठाती है।

अडानी निशाने पर क्यों-कई शोध समूह प्रायोजक संगठन द्वारा दिए गए एजेंडे के साथ काम करते हैं। नतीजतन, वे उद्देश्य की आकर्षक कहानी को चित्रित करने के लिए झूठी कहानी को चुन सकते हैं। गौतम अडानी ने अडानी समूह की वैश्विक विस्तार महत्वाकांक्षा को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। अडानी समूह ने ऑस्ट्रेलिया में कारमाइकल कोयला खदान की स्थापना की है, जो वोक संगठनों के विरोध के बीच है। अडानी ने 2017 में चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) को बाधित किया। उस वर्ष,अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन्स लिमिटेड ने कैरी आइलैंड,मलेशिया में कार्गो को संभालने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। जब एक चीनी निगम को उभरते भारतीय पावर हाउस द्वारा विस्थापित किया गया तो इसने सभी उम्मीदों को धता बता दिया। फिर श्रीलंका में चीनियों की बारी थी। अडानी ने कोलंबो बंदरगाह पर एक कंटेनर टर्मिनल बनाने और संचालित करने का अनुबंध जीता। आखिरकार,अडानी टीम ने द्वीप राष्ट्र में दो पवन ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए। अडानी के निवेश से बांग्लादेश के बिजली क्षेत्र को भी फायदा हो रहा है। एशिया के बाहर भी,अडानी समूह भारत की वैश्विक स्थिति को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव कोशिश कर रहा है। पिछले साल,उन्होंने इज़राइल के हाइफा बंदरगाह में 70% हिस्सेदारी हासिल करने के लिए $1.18 बिलियन का निवेश किया,जिससे अडानी को इज़राइल में चीनी राज्य के स्वामित्व वाले शंघाई इंटरनेशनल पोर्ट ग्रुप के साथ सीधी प्रतिस्पर्धा में डाल दिया। राष्ट्रवाद के संदर्भ में, यह चीन के राज्य के स्वामित्व वाले व्यवसायों पर सीधा हमला है। अडानी ने एक पूर्व प्रमुख बीआरआय परियोजना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके चीन को एक बड़ा झटका दिया। अडानी पर हमला करने से विभिन्न हित समूहों को कई फायदे मिलते हैं। अडानी साम्राज्य विभिन्न उद्योगों में काम करता है, जिसमें सौर निर्माण, रसद, भूमि, रक्षा, एयरोस्पेस, फल, डेटा केंद्र, सड़क, रेल, रियल एस्टेट ऋण और कोयला खनन शामिल हैं। इनमें वैश्विक डीप स्टेट कॉरपोरेट समूह,चीन समर्थित भारतीय राजनीतिक दल और मीडिया आउटलेट शामिल हैं जो भारतीय व्यवसायों के विकास का विरोध करते हैं।

यह पारिस्थितिकी तंत्र कैसे काम करता है-आपको पारिस्थितिकी को समझने की आवश्यकता है ताकि यह समझ सकें कि चीजें कैसे बनाई जाती हैं क्योंकि पारिस्थितिकी तंत्र के तहत खेल खेले जाते हैं। व्यक्तिगत किसी को समझना आसान है लेकिन पारिस्थितिकी तंत्र को समझना कठिन है। ब्रियोन पीस वह न्यायाधीश है जिसने रिश्वत मामले में अडानी पर अभियोग लगाया था। जॉर्ज सोरोस ने पहले कहा था कि वह अडानी और मोदी को नष्ट कर देगा। क्या संभावना है कि अभियोग के पीछे सोरोस और शूमर नही हैं? पीस सिर्फ़ शूमर के रबर स्टैंप है। सोरोस ने चक शूमर पर बहुत पैसा खर्च किया है। शूमर 2021 में सीनेट के बहुमत के नेता बन गए,सोरोस फंडिंग की बदौलत उन्हें न्यायाधीशों को चुनने का अधिकार मिला। इस साल भी,सोरोस ने शूमर के पीएसी में $16 मिलियन का योगदान दिया। सोरोस ओबामा, क्लिंटन और बिडेन के सबसे बड़े दानकर्ता भी रहे हैं। शूमर का दूसरा परिचय है:वह बिडेन प्रशासन में सोरोस के आदमी हैं।

गौतम अडानी के पूर्व वकील हरीश साल्वे के विचार-हरीश साल्वे ने इंडिया टुडे से कहा कि कोई भी भारतीय व्यापारियों द्वारा दुनिया भर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने से खुश नहीं है। "एक समय था जब हम ब्रिटिश व्यापारियों को भारत में निवेश करने के लिए लुभाते थे। अब मैं देख रहा हूँ कि ब्रिटिश सरकार भारतीय निवेशकों को आकर्षित कर रही है। यह दुनिया के तंत्र में एक बड़ा बदलाव है और इसके निहितार्थ होने चाहिए।" साल्वे ने आगे कहा कि गौतम अडानी के खिलाफ लगाए गए आरोप भारत और भारतीयों पर एक व्यापक हमला है और अडानी की अधिकांश होल्डिंग्स विनियमित हैं। "आपके पास अनुमानित राजस्व है क्योंकि आपके पास एक नियामक है जो आपकी दर निर्धारित करता है। आप बहुत अधिक पैसा नहीं कमा सकते हैं,लेकिन आपके पास लगभग सुनिश्चित राजस्व है क्योंकि आज भी ये बुनियादी ढांचा परियोजनाएं एकाधिकार उद्यम हैं। हरीश साल्वे ने कहा कि अन्य निवेश सीमेंट निर्माण जैसी कट्टर भारतीय परिसंपत्तियों में हैं। पूर्व सॉलिसिटर जनरल ने टिप्पणी की,"उनकी (अडानी समूह की) अधिकांश कंपनियां सूचीबद्ध हैं और उनके सभी दस्तावेज सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। यह दावा करना कि आपने कोई गुप्त अध्ययन किया है,पूरी तरह बकवास है।"

अडानी को दो बार दोषी ठहराने की कोशिश कैसे की गई-आप किसी को सिर्फ़ एक बार ही बेनकाब करते हैं। हिंडनबर्ग ने पहली बार अडानी को बेनकाब करने की कोशिश की,लेकिन वह लिंक स्थापित करने में असमर्थ रहा। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट ने की,जिसने गहन जांच की लेकिन कोई सबूत नहीं मिला। अडानी को क्लीन चिट मिल गई। यह फिर से वापस उछल गया। बाजार एक ही चीज़ पर दो बार प्रतिक्रिया नहीं देतेःहिंडनबर्ग नए दावों के साथ वापस आ गया। वे फिर से वही स्टंट करने की कोशिश कर रहे थे लेकिन सौभाग्य से भारतीय बाजार ने नकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी और बाजार सकारात्मक नोट पर समाप्त हुआ। इसलिए यह स्पष्ट है कि निवेशक संतुष्ट हैं कि शेयर बाजार में हेरफेर नहीं किया जा रहा है। हालाँकि,बाजार शुरू होने पर अडानी के शेयर में तेजी से गिरावट आई लेकिन यह तुरंत सामान्य हो गया। जब बाजार और निवेशक पर्याप्त रूप से आश्वस्त हैं तो आपको यह जानने के लिए और क्या चाहिए कि कौन सही है? पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें क्लीन चिट दी और दूसरी बार जनता ने।

अमेरिकी न्यायालयों का भारतीय नागरिकों पर कोई अधिकार नहीं-स्थापित कानून के अनुसार, अमेरिकी एसईसी (एसईसी) का भारतीय नागरिक गौतम अडानी पर कोई अधिकार नहीं है। यह भारत में वर्तमान अमेरिकी प्रतिष्ठान के राजनीतिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए एक विच हंट प्रतीत होता है। जबकि कांग्रेस पार्टी और वामपंथी पारिस्थितिकी तंत्र पहले से अडानी के खिलाफ अमेरिकी न्याय विभाग के 'आरोपों' पर विश्वास कर चुके हैं और उन्हें स्थापित तथ्य के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि गौतम अडानी और अन्य प्रतिवादी तब तक निर्दोष हैं जब तक उनके खिलाफ आरोप साबित नहीं हो जाते। अभियोग दस्तावेज में कहा गया है कि "अभियोग में आरोप हैं और जब तक दोषी साबित नहीं हो जाते तब तक प्रतिवादियों को निर्दोष माना जाता है।" साथ ही,अभियोग का समय यह सवाल उठाता है कि क्या अमेरिका भारत में रिश्वतखोरी के आरोप लगाकर गौतम अडानी को वित्त जुटाने से रोकने का प्रयास कर रहा है। एसईसी चाहता है कि अडानी इस दावे की व्याख्या करें कि उन्होंने आकर्षक सौर ऊर्जा अनुबंध प्राप्त करने के लिए रिश्वत दी लेकिन यह अनुरोध संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय दूतावास के माध्यम से जाना चाहिए। अमेरिकी एसईसी का विदेशी नागरिकों पर कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है और चूंकि गौतम अडानी एक भारतीय नागरिक हैं इसलिए उनके पास उन पर कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। 1965 का हेग कन्वेंशन और पारस्परिक कानूनी सहायता संधि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच इन मुद्दों को कवर करती है। ये समझौते स्पष्ट रूप से ऐसे अनुरोधों में अपनाई जाने वाली प्रथागत पद्धति को परिभाषित करते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के उदय से डीप स्टेट ताकतों को क्या नुकसान-डोनाल्ड ट्रंप पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि वे वोक और डीप स्टेट तत्वों के खिलाफ गंभीर कार्रवाई करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप के उदय को अमेरिका में हिंदुओं का व्यापक समर्थन मिला है। उनका मानना है कि मोदी सरकार द्वारा डोनाल्ड ट्रंप को दिए गए सक्रिय समर्थन के कारण ही चुनाव में उनकी जीत हुई। इसलिए,जनवरी में डोनाल्ड ट्रंप के आधिकारिक रूप से व्हाइट हाउस में आने से पहले भारतीय अर्थव्यवस्था को जितना संभव हो सके नुकसान पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

क्या विपक्षी नेता वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक को पटरी से उतारना चाहते हैं-अडानी के खिलाफ रिश्वतखोरी के इस मुकदमे की टाइमिंग राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं के बारे में और भी संदेह पैदा करती है। इस संसद सत्र में लाखों किसानों, मध्यम वर्ग के व्यक्तियों, व्यापार मालिकों, हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध मंदिरों की जमीन और संपत्ति की रक्षा के लिए वक्फ बोर्ड अधिनियम में सुधार किया जाएगा।

विध्वंसकारी हथियारों की बढ़ती उपलब्धि अधिक विनाशक

भारत डोगरा

निरंतर अधिक विध्वंसकारी हथियारों की बढ़ती उपलब्धि के कारण हिंसा की प्रवृत्तियां अधिक विनाशक रूप ले रही हैं। छोटे-बड़े विभिन्न तरह के विनाशकारी हथियारों के तेज प्रसार में विश्व के हथियार उद्योग की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। यह एक मोटे मुनाफे का उद्योग है जिसमें भ्रष्टाचार या अन्य उपायों से राजनीति को प्रभावित करने की भारी क्षमता है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल ने विभिन्न उद्योगों की इस आधार पर रैंकिंग की थी कि सबसे अधिक रित कौन सा उद्योग देता है। इसमें हथियार उद्योग को दूसरा स्थान मिला। अमेरिकी वाणिज्य विभाग द्वारा जनरल एकाउंटिंग ऑफिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार विश्व के सब तरह के व्यापार में 50 प्रतिशत रित देने के मामले हथियार के व्यापार से जुड़े होते हैं। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट ने अनुमान प्रस्तुत किया है कि जितने मूल्य का सौदा होता है, उसका कम से कम 10 प्रतिशत तो रित में जाता है। यह 10 प्रतिशत भी अरबों डॉलर का मामला है। हथियारों की बिक्री से जुड़े भ्रष्टाचार की बड़ी राशि प्रायः चोरी-छिपे विदेशी खातों में जमा की जाती थी, पर इसका खुलासा हो जाने के डर के कारण अब इसमें बदलाव आ रहा है, और ऐसे उपाय खोजे गए हैं, जिनसे इस भ्रष्टाचार को दबाना और सुनिश्चित हो सके। टैंक, बड़ी तोपों, लड़ाकू जहाज, पनडुब्बी आदि के कारोबार में बहुत साधन-संपन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियां लगी हैं, जिनकी पहुंच सीधी सत्ता के गलियारों में है। ये कंपनियां सत्ताधारियों को इस तरह प्रभावित करती हैं कि अरबों डॉलर के उनके सौदे होते रहें, फिर चाहे इस कारण विश्व का वर्तमान और भविष्य अत्यधिक असुरक्षित ही क्यों न हो जाए। इन कंपनियों और इनके दलालों के असर के कारण निशस्त्रीकरण के वे प्रयास आगे नहीं बढ़ पाते हैं जिनकी विश्व को बहुत जरूरत है। विश्व के अधिकांश जनसाधारण एक दूसरे से अमन-शांति से रह सकते हैं, पर हथियारों से जुड़े निहित स्वार्थ और इनके गठजोड़ के राजनीतिज्ञ ऐसी असुरक्षा फैलाते हैं कि जिसमें महंगे हथियार बहुत जरूरी प्रतीत होते हैं। विश्व के सबसे विनाशकारी हथियारों को नियंत्रित करने के अंतरराष्ट्रीय समझौते आगे बढने के स्थान पर पीछे जा रहे हैं यानी इनका असर पहले से और कम हो रहा है। दूसरी ओर, तरह-तरह के छोटे और हल्के हथियारों में भी ऐसे तकनीकी बदलाव आते रहे हैं जिनसे इनकी विनाशक क्षमता बढ़ जाए। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा तैयार की गई 'हिंसा एवं स्वास्थ्य पर विश्व रिपोर्टÓ के अनुसार, अधिक गोलियों की अधिक तेजी से, अधिक शीघ्रता से और अधिक दूरी तक फायर करने की क्षमता बढ़ी है, और इसके साथ ही इन हथियारों की विनाशकता भी बढ़ी है। एके-47 में तीन सेकंड से भी कम समय में 30 राउंड फायर करने की क्षमता है, और प्रत्येक गोली एक किमी. से भी अधिक की दूरी तक जानलेवा हो सकती है। एमनेस्टी इंटरनेशनल और ऑक्सफेम ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि किसी भी अन्य हथियार की अपेक्षा छोटे हथियार अधिक लोगों को मारने, घायल करने, विस्थापित करने, उत्पीड़ित करने, अगवा करने और रेप करने के लिए उपयोग होते हैं..इस समय विश्व में लगभग 64 करोड़ छोटे हथियार हैं। लगभग 60 प्रतिशत छोटे हथियार सैन्य और पुलिस दलों से बाहर के क्षेत्र में हैं। केवल सेनाओं के उपयोग के लिए एक वर्ष में 14 अरब गोलियों का उत्पादन किया जाता है-यानी विश्व की कुल आबादी की दोगुनी गोलियों का उत्पादन। अधिक विध्वंसक हथियारों की उपलब्धि ऐसे दौर में बढ़ रही है जब कई कारणों से हिंसक प्रवृत्तियां भी बढ़ रही हैं। इस तरह एक ओर अधिक खतरनाक हथियारों की मांग बढ़ रही है तो दूसरी ओर उनके अधिक वास्तविक उपयोग और इस कारण होने वाले विनाश की आशंका भी बढ़ रही है। हथियारों पर होने वाले बढ़ते खर्च के कारण अनेक देशों में लोगों की बुनियादी जरूरतें पूरी करने की क्षमता कम होती है। अरबों डॉलर के हथियारों के सौदे होते हैं जबकि जनसंख्या का बड़ा हिस्सा साफ पेयजल तक से वंचित रह जाता है या कुपोषण से पीड़ित होता है। दुनिया में विभिन्न स्तरों पर निशस्त्रीकरण के अभियान को तेज करने की जरूरत है ताकि हथियारों और गोला-बारूद की मांग, उत्पादन, उपलब्धि और वास्तविक उपयोग विभिन्न स्तरों पर काम हो सके। विश्व स्तर पर खतरनाक हथियार के विरुद्ध अनेक अभियान हाल के वर्षो में सक्रिय रहे हैं। ऐसे कुछ अभियानों के प्रयासों से विश्व स्तर पर कुछ खतरनाक हथियारों पर प्रतिबंध लगाने वाले समझौते भी हुए हैं। बारूदी सुंरग या लैंडमाइंस बहुत खतरनाक हथियार हैं, जिनके कारण बहुत से निदरेष लोग बहुत दर्दनाक ढंग से घायल होते हैं, और कई बार जीवन भर के लिए अपंगता भी उन्हें सहनी पड़ती है। किसी युद्ध के समाप्त होने के समय बाद भी कई वर्ष तक युद्ध के दौरान बिछाई गई बारूदी सुरंगों के शिकार बच्चों सहित आसपास के अनेक लोग होते रहते हैं। बारूदी सुरंगों पर प्रतिबंध लगाने वाला अंतरराष्ट्रीय समझौता हुआ है। अधिकांश देशों ने इसे स्वीकार किया है, पर कुछ महत्त्वपूर्ण देशों की स्वीकृति मिलनी अभी शेष है। इसके अतिरिक्त कई हिंसक समूह भी अभी तक बारूदी सुरंगों का प्रयोग कर रहे हैं। क्लस्टर बम बहुत खतरनाक हथियार है जिसमें एक ही बड़े बम से बहुत छोटे-छोटे बम दूर-दूर बिखर जाते हैं। ये छोटे बम कुछ तुरंत फटते हैं और कुछ बाद में तथा बहुत दर्दनाक ढंग से घायल करते हैं या मारते हैं। विशेषकर बच्चे बहुत समय तक दर्दनाक ढंग से इनका शिकार होते रहे हैं। क्लस्टर बमों के विरुद्ध भी एक बड़ा अभियान विश्व स्तर पर चला। फलस्वरूप इन्हें प्रतिबंधित करने वाला अंतरराष्ट्रीय समझौता हुआ। यह भी एक महत्त्वपूर्ण सफलता है पर अभी कुछ महत्त्वपूर्ण देशों की इसके लिए स्वीकृति मिलनी शेष है। ब्लाइंडिंग लेसर या अंधापन उत्पन्न करने वाले लेसर पर प्रतिबंध के लिए भी एक अंतरराष्ट्रीय समझौता हुआ है। अब जो आगे सबसे बड़ी चुनौती है वह रोबोटिक्स के सैन्य उपयोग की है। रोबोट के सैन्य उपयोग से बहुत गंभीर खतरे जुड़े हैं जिनमें से एक यह भी है कि ऐसे हथियार नियंत्रण से बाहर हो सकते हैं तथा जो नियोजित हैं, उनसे कहीं अधिक विध्वंस कर सकते हैं। रोबोट आ जाने से बहुत खतरनाक हद तक युद्ध स्वचालित मशीनों के नियंत्रण में जा सकता है। युद्ध से जुड़ा विनाश और अनिश्चय बहुत तेजी से बढ़ सकता है। स्टीफेन हॉकिन्स जैसे विश्व के अनेक जाने-माने वैज्ञानिकों ने रोबोटिक्स के सैन्य उपयोग के विरुद्ध बयान जारी कर इन पर प्रतिबंध की मांग की। इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'जानलेवा रोबोट को रोकने का अभियानÓ सक्रिय है। इस तरह के अभियानों से अधिक लोग जुड़ें तो विश्व में इन अधिक खतरनाक हथियारों को रोकने में सफलता मिलेगी।

मेष राशिः आज आपका दिन कुछ नया सिखाने वाला है। आज आप किसी अपने पुराने मित्र की सहायता करेंगे। आप दैवीय सहयोग से हर फील्ड में बढ़ेंगे। अपने विरोधियों से विशेष रूप से सावधान रहें। स्टील का बिजनेस सफल रहेगा और अधिक लाभ मिलेगा। आप आज परिवार के साथ ट्रिप पर जायेंगे, जिससे आपको भरपूर आनंद आएगा।

वृष राशिः आज आपका दिन आपके जीवन में नया बदलाव लेकर आएगा। आज टेंशन अधिक रहेगी। रुका हुआ काम फिर से शुरू होगा। आपका स्नेही स्वभाव होने के कारण आपके सहयोगी लाभ उठाएंगे। बुरी संगतियो से बचना चाहिए क्योंकि आज हानि हो सकती है। आप नया प्लाट खरीदने का मन बनायेंगे ।

मिथुन राशिः आज आपका दिन नई उमंगो के साथ शुरू होने वाला है। नये स्थान पर जाने का योग है। आपकी टेंशन दूर होगी। अपना काम बहुत मेहनत और लगन से करेंगे। बड़ों-बुजुर्गों के आशीर्वाद से आप सफलता को छुएंगे। पारिवारिक रिश्तों में मेल जोल बढ़ेगा और आपसी प्रेम अधिक होगा। आज बुरी संगति से बचने की जरूरत है। आपका लाभ-व्यय समान रहेगा।

कर्क राशिः आज आपके दिन की शुरुआत अपनों के साथ होगी। अनावश्यक खर्च से बचे, जिससे आपकी आमदनी बढ़ेगी। प्राइवेट जॉब करने वालों की आय बढ़ने की संभावना है। बिजनेस करने वालों कों आज ज्यादा मुनाफा मिलेगा। आप नया मकान खरीद सकते है। शिक्षा के क्षेत्र में आप आगे बढ़ेंगे। अचानक कोई निर्णय नही लेना होगा क्योंकि हानिकारक हो सकता है, किसी अनुभवी से सलाह लेकर ही कोई निर्णय लें।

सिंह राशिः आज अपने दिन की शुरुआत नये तरीके से करेंगे। आज आप किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते है। आपको सर्दी से संबंधित बुखार का सामना करना पड़ेगा जिस से आपको सर्दी से बचना होगा। अधिक भागदौड़ के बावजूद भी आप सकारात्मक रहेंगे और आपका मन प्रसन्नचित्त रहेगा। आपको विरोधी लोगों से बचना होगा जो आपकी पीठ पीछे विरोध किया करते है वो आपको सफल होने से रोकेंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन बहुत बढ़िया रहने वाला है। आज आप एनर्जेटिक रहेंगे। सोशल मीडिया पर आपकी वीडियो को ज्यादा से ज्यादा लोग पसंद करेंगे, जिससे आपके फाल्लोवर्स बढ़ेंगे। आज राजकीय कामों में सफलता मिलेगी। कोई आपकी मन पसंद वस्तु आपको मिलेगी जिससे आपकी खुशी बढ़ेगी। आज आपको यात्रायें अधिक करनी पड़ेगी। बड़े बुजुर्गों से समझौता करना पड़ेगा।

तुला राशिः आज आपका दिन आपके जीवन में नया बदलाव लायेगा। मेहनत करने से सारा काम आपका आसान होता रहेगा। ट्रांसपोर्ट के व्यापारी आज किसी बुकिंग का अच्छा लाभ कमाएंगे। दाम्पत्य जीवन का सुख आनन्द मिलेगा। अपने आराध्य देव की उपासना करने से आपके जीवन में खुशियां आएंगी।

वृश्चिक राशिः आज आपको कोई भागदौड़ वाला काम करना पड़ सकता है। कार्य के प्रति आपकी मेहनत से ऑफिस में आपका स्तर ऊंचा होगा। किसी पारिवारिक सदस्य से आपको सहायता मिलेगी। आज आप किसी नये स्थान पर जाएंगे। आज बाहर का मसालेदार खाना खाने से परहेज़ करने की आवश्यकता है,नहीं तो आपकी सेहत बिगड़ सकती है। आज आप कोई जरूरत की वस्तु खरीदेंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन बहुत ज्यादा ही खुशहाल रहने वाला है। आप किसी धार्मिक कार्य को करेंगे। परिवार वालों के साथ ट्रिप पर जाने का प्लान कैंसिल होने की संभावना है। ऑफिस में आपके काम से खुश होकर बॉस आपको अच्छा वेतन देंगे। निजी संबंधों में आपसी प्रेम बढ़ेगा।

मकर राशिः आज आपको किसी मरीज की सेवा करने का मौका मिलेगा। ब्लड प्रेशर के मरीजों को आज काफी हद तक आराम मिलेगा। इस महीने आप अपने करियर के प्रति ज्यादा चिंता में रहेंगे, परन्तु यह समय घबराहट का नहीं, अपनी क्षमता पर भरोसा करके आगे बढ़ने का समय है। आप धैर्यवान है इसलिए धैर्य रख के काम को करना होगा।

कुंभ राशिः आज आपका दिन बहुत ही ज्यादा बढ़िया रहने वाला है। आपको जिंदगी में कोई नया कदम उठाने का अवसर मिलेगा जो आपकी जिंदगी में नया मोड़ लायेगा। पॉजिटिव सोच बनाये रखें। आपके व्यापार में कोई बाहरी व्यक्ति सहायता करेगा, जिससे आपको काफी लाभ होगा। आज आपको कोई सरप्राइज गिफ्ट देगा।

मीन राशिः आज आपका दिन मिला जुला रहने वाला है। साहित्यिक जगत से जुड़े लोगों को आज सम्मान मिलेगा। प्रॉपर्टी लेने का विचार बना रहे लोग आज प्रॉपर्टी डीलर से मिलेंगे। रुके हुए कार्यों को पूरा करने का सही समय है।

शब्द पहेली - 8325

बाएँ से दाएँ

1. कवि की रचना,गजल-3
3. अनुमान,अंदाज-3
5. सदपुरुष-2
6. अयोग्य,असंगत -2
8. स्वार्थ,लोभ-4
10. सहयोग,सहकार-3
11. उन्माद,सनक-3
12. भगवान का आराधक-2
13. ठंडक,शीतलता-2
14. दूल्हे के सिर पर बांधी जाने वाली पगड़ी-3
16. चांदी-3
18. गंवारपन,अशिष्टता-4
20. पैंदा,तला-2
22. वर्तमान दिन-2
23. बहने का भाव-3
24. गमन, विदा होना-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर,फन,आर्ट-2
2. बल,दम,जोर-3
3. समीप,नजदीक-3
4. गलत का विलोम-2
5. भ्रम,संदेह-3
7. उपनदी,कैनाल-3
8. नशे से भरपूर-4
9. लाख,सौ हजार-2
11. स्वभाव,आदत-4
14. स्वास्थ्य-3
15. इस जगह-2
17. तहजीब,शिष्टता-3
18. इकट्ठा होना-3
19. रेखा,लाइन-3
21. होंठ,अधर-2
22. आगमन-2

शब्द पहेली - 8324 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत ख़बरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल 2025 सत्र के लिए इस प्रकार हैं टीमें

जेद्दा। अगले साल मार्च में होने वाली आईपीएल 2025 सत्र के लिए सभी टीमें बन गयी हैं। इसके लिए सऊदी अरब के जेद्दा में हुई मेगा नीलामी में सभी 10 आईपीएल फ्रैंचाइजियों ने अपने पसंदीदा खिलाड़ी खरीदे। इस सत्र के लिए 367 भारतीय और 210 विदेशी सहित कुल 577 खिलाड़ियों पर बोली लगी थी। वहीं हर टीम ने पहले ही तय संख्या में खिलाड़ियों को रिटने भी किया था। इसके बाद उन्होंने आटीएम का उपयोग कर अपने पुराने खिलाड़ियों को खरीदा। अब सभी टीमों तय हो गयी हैं।

• **चेन्नई सुपरकिंग्सः** रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), मथीश पथिराना, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, एमएस धोनी, डेवोन कॉनवे, राहुल त्रिपाठी, रचिन रवींद्र, आर. अश्विन, खलील अहमद, नूर अहमद, विजय शंकर, सैम कुरेन, शेख रशीद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुडा, गुरजापनीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, श्रेयस गोपाल, वंश बेदी, आंद्रे सिद्दार्थ।

• **मुंबई इंडियन्सः** हार्दिक पंड्या (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, नमन धीर, रॉबिन मिंज, कर्ण शर्मा, रयान रिकेल्टन, दीपक चाहर, अल्लाह गजांफर, विल जैक्स, अश्विनी कुमार, मिशेल सेंटनर, रीस टॉपले, कृष्णन श्रीजीत , राज अंगद बावा, सत्यनारायण राजू, बेवॉन जैकब्स, अर्जुन तेंदुलकर।

• **दिल्ली कैपिटल्सः** अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, ट्रिस्टन स्टब्स, अभिषेक पोरेल, मिशेल स्टार्क, केएल राहुल, हैरी ब्रूक, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, टी. नटराजन, करुण नायर, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, मोहित शर्मा, फाफ डु प्लेसिस, मुकेश कुमार, दर्शन नालकांडे, वी. निगम, दुष्मंथा चमीरा, डोनोवन फरेरा, अजय मंडल, मनवंत कुमार, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी।

• **रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः** विराट कोहली, रजत पाटीदार, यश दयाल, लियाम लिविंगस्टोन, फिल साल्ट, जितेश शर्मा, जोश हेजलवुड, रसिख डार, सुयश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, नुवान तुषारा, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल , देवदत्त पडिक्कल, स्वास्तिक चिकारा।

• **कोलकाता नाइट राइडर्सः** रिंकू सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नरेन, आंद्रे रसेल, हर्षित राणा, रमनदीप सिंह, वेंकटेश अय्यर, क्विंटन डी कॉक, रहमानुल्लाह गुरबाज़, एनरिक नॉर्टजे, अंगकृष रघुवंशी, वैभव अरोड़ा, मयंक मार्कंडेय, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, स्पेंसर जॉनसन, लवनिथ सिसौदिया, अजिंक्य रहाणे, अनुकूल रॉय, मोईन अली, उमरान मलिक।

• **लखनऊ सुपर जायंट्सः** ऋषभ पंत, निकोलस पूरन, रवि बिश्नोई, मयंक यादव, मोहसिन खान, आयुष बडोनी, ऋषभ पंत, डेविड मिलर, एडेन मारक्रम, मिशेल मार्श, अवेश खान, अब्दुल समद, आर्यन जुयाल, आकाश दीप, हिम्मत सिंह, एम. सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, शाहबाज अहमद, आकाश सिंह, शमर जोसेफ, प्रिंस यादव, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, मैथ्यू ब्रीट्जके।

• **सनराइजर्स हैदराबाद** : पैट कमिंस, अभिषेक शर्मा, नितीश रेड्डी, हेनरिक क्लासेन, ट्रैविस हेड, मोहम्मद शमी, हर्षल पटेल, इशान किशन, राहुल चाहर, एडम ज़म्पा, अथर्व ताइदे, अभिनव मनोहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ब्रायडन कार्से, कामिंदु मेंडिस , अनिकेत वर्मा, ईशान मलिंगा, सचिन बेबी।

• **पंजाब किंग्स** : शशांक सिंह, प्रभसिमरन सिंह, अर्शदीप सिंह, श्रेयस अय्यर, युजवेंद्र चहल, मार्कस स्टोइनिस, ग्लेन मैक्सवेल, नेहल वढेरा, हरप्रीत बरार, विष्णु विनोद, विजयकुमार विशक, यश ठाकुर, मार्को यानसन, जोश इंगलिस, लॉकी फर्ग्यूसन, अजमतुल्लाह उमरजई, हरनूर पन्नू ,कुलदीप सेन, प्रियांश आर्य, एरोन हार्डी, मुशीर खान, सूर्यांश शेडगे, जेवियर बार्टलेट, पाइला अविनाश, प्रवीण दुबे।

• **राजस्थान रॉयल्स** : संजू सैमसन, यशस्वी जयसवाल, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, शिमरोन हेटमायर, संदीप शर्मा, जोफ्रा आर्चर, महेश थीक्षाना, वानिंदु हसरंगा, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय, नितीश राणा, तुषार देशपांडे, शुभम दुबे, युद्धवीर सिंह, फजलहक फारूकी, वैभव सूर्यवंशी, क्वेना मफाका।

• **गुजरात टाइटंस** : राशिद खान, शुभमन गिल, साई सुदर्शन, राहुल तेवतिया, शाहरुख खान, कैगिसो रबाडा, जोस बटलर, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, निशांत सिंधु, महिपाल लोमरोर, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, मानव सुथार, वाशिंगटन सुंदर, गेराल्ड कोएत्जी, अरशद खान , गुरनूर बरार, शेरफेन रदरफोर्ड, साई किशोर, ईशांत शर्मा, जयंत यादव, ग्लेन फिलिप्स, करीम जनत।

वार्नर, विलियमसन सहित इन दिग्गजों को नहीं मिले खरीददार

जेद्दा। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी में जहां 10 टीमों ने 182 खिलाड़ियों को खरीदा। वहीं पांच ऐसे भी खिलाड़ी ऐसे रहे जिन्हें किसी भी टीम ने नहीं खरीदा। सबसे हैरानी की बात रही कि पिछले कुछ सत्रों में आईपीएल में शामिल रहे कुछ नियमित खिलाड़ी भी दो दिवसीय सत्र के दौरान नहीं बिके। इसमें कुछ खिलाड़ियों को अवसर नहीं मिलने का कारण अधिक आधार मूल्य भी रहा। टीमों ने दूसरे दिन अपने पर्स के हिसाब से बची हुई रकम में अधिक से अधिक खिलाड़ियों को खरीदने का प्रयास किया। वहीं कुछ खिलाड़ियों को इसलिए जगह नहीं मिली क्योंकि ये टी20 प्रारूप में विशेषज्ञ नहीं माने गये हैं।

इन खिलाड़ियों को नहीं मिले खरीददार

डेविड वार्नर- आईपीएल इतिहास के दिग्गज सलामी बल्लेबाजों में से एक ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर को इस साल कोई खरीददार नहीं मिला। वार्नर ने इस साल की शुरुआत में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया पर दुनिया भर की टी20 लीग में वह खेलते रहे। इसके बाद भी उन्हें जगह नहीं मिलना हैरानी भर है।

केन विलियमसन- सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व कप्तान न्यूजीलैंड के केन विलियमसन को भी इस बार किसी टीम ने नहीं खरीदा। विलियमसन ने गुजरात टाइटन्स की ओर से भी खेला है। वह अधिक आक्रामक न होते हुए पारंपरिक तरीके से खेलते हैं और शायद यहीं उनका नकारात्मक पक्ष बना।

जॉनी बेयरस्टो- इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो ने सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से आक्रामक पारियां खेली है पर पंजाब किंग्स में जाने के बाद से ही उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी कमी रही है। लय में नहीं होने के बाद भी बेयरस्टो की विकेटकीपिंग की क्षमता टीमों के लिए फायदेमंद हो सकती थी पर किसी ने इससे अधिक महत्व नहीं दिया।

शार्दुल ठाकुर- ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर पिछले कुछ समय से भारतीय टीम से बाहर हैं। उन्हें सालाना अनुबंध भी नहीं मिला है। मुंबई के इस तेज गेंदबाज को पिछले सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स टीम में शामिल किया गया था पर वह अधिकतर मैचों से बाहर रहे। आक्रामक बल्लेबाज और तेज गेंदबाज होने के बाद भी शार्दुल उपेक्षा का शिकार हुए हैं।

मयंक अग्रवाल- मयंक अग्रवाल ने लंबे प्रारुप में घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर टी20 प्रारुप में वह अधिक सफल नहीं रहे हैं। इसके बाद भी अनुभवी बल्लेबाजों की कमी के कारण कई लोगों को उम्मीद थी कि मयंक को कम से कम बैकअप ओपनर के रूप में चुना जाएगा पर ऐसा हुआ नहीं।

एशियन राइफल/पिस्टल कप 2026 की मेजबानी करेगा भारत

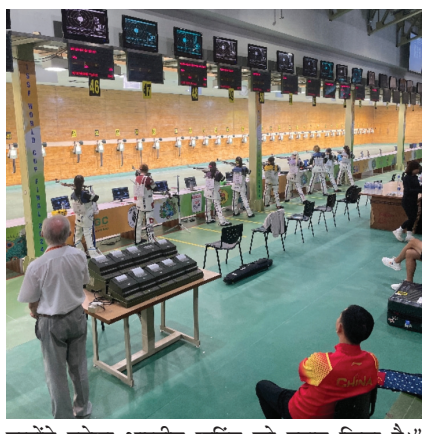

नई दिल्ली। एशियन शूटिंग कन्फेडरेशन (एएससी) की कार्यकारी समिति ने एशियन राइफल/पिस्टल कप 2026 की मेजबानी के अधिकार भारत को प्रदान किए हैं। यह घोषणा नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने की है। एएससी के महासचिव इंजीनियर दुआज अल ओतैबी की ओर से एनआरएआई के महासचिव के. सुल्तान सिंह को भेजे गए एक पत्र में होस्ट फेडरेशन से इस प्रतियोगिता के प्रस्तावित तिथियों की जानकारी मांगी गई है। इस निर्णय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, के. सुल्तान सिंह ने कहा, "हमें एक और शीर्ष अंतरराष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता की मेजबानी सौंपे जाने पर बेहद खुशी हो रही है। हम एएससी की कार्यकारी समिति के प्रति अत्यंत आभारी हैं और हमेशा की तरह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का वादा करते हैं।" एनआरएआई के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने भी अपनी बात रखते हुए कहा, "यह भारतीय शूटिंग के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते कद का एक और प्रमाण है, और हमें खुशी है कि हमारे निशानेबाजों को दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ घरेलू दर्शकों के सामने अपनी क्षमता साबित करने का एक और मौका मिलेगा। हम भारत सरकार, खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) को निरंतर प्रोत्साहन और समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं, जो उन्होंने हमेशा भारतीय शूटिंग को प्रदान किया है।" भारत ने इससे पहले 2015 में 8वीं एशियाई एयर गन प्रतियोगिता और उसके एक साल बाद एशियन ओलंपिक क्वालीफायर की मेजबानी की थी। इसी अवधि में, भारत ने कुल छह शीर्ष अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईएसएसएफ) प्रतियोगिताओं की भी मेजबानी की, जिनमें दो वर्ल्ड कप फाइनल शामिल हैं। हाल ही में, पिछले महीने नई दिल्ली में आयोजित आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) इसका ताजा उदाहरण है।

ऋषभ ने दिल्ली कैपिल्स को समर्थन के लिए आभार जताया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को इस बार आईपीएल नीलामी में लखनऊ सुपर जायंटस ने सबसे अधिक 27 करोड़ रुपये में खरीदा है। ऐसे में अब वह सुपर जायंटस से खेलते नजर आयेंगे। इस सबके बीच ही ऋषभ ने अपनी पुरानी टीम दिल्ली कैपिटल्स को याद करते हुए कहा है कि उसके साथ इतनी यादें जुड़ी हैं कि उसे अलविदा कहना मेरे लिए आसान नहीं है। ऋषभ साल 2016 में टूर्नामेंट में डेब्यू करने के बाद से ही दिल्ली कैपिटल्स से खेलते रहे हैं। वह कार हादसे के कारण 2023 सत्र से बाहर रहे थे। इसके बाद उन्होंने आठ सत्र में फ्रेंचाइज की ओर से खेला। दिल्ली की ओर से ऋषभ ने 111 मैचों में एक शतक और 18 अर्धशतकों सहित 3,284 रन बनाए। उन्हें 2021 सत्र में टीम का कप्तान बनाया गया था। इस बार टीम ने उन्हें रिटेन नहीं किया था जिसके बाद वह नीलामी में उतरे थे। यहां वह टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। दिल्ली कैपिटल्स ने नीलामी में अपने पूर्व कप्तान के लिए राइट टू मैच कार्ड का इस्तेमाल किया पर लखनऊ ने उन्हें हासिल करने के लिए बोली 20.75 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 27 करोड़ रुपये कर दी थी। दिल्ली इस कीमत को नहीं दे पाई और इस क्रिकेटर को लखनऊ ने हासिल कर लिया। ऋषभ ने सोशल मीडिया पर एक विदाई नोट में लिखा, अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता। दिल्ली कैपिटल्स के साथ मेरा सफर अद्भुत रहा है। मैदान पर रोमांच से लेकर मैदान के बाहर के पलों तक, जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। मैं यहां एक किशोर के रूप में आया था और पिछले नौ वर्षों में हम एक साथ आगे बढ़े हैं। साथ ही कठिन समय में उनके साथ खड़े रहने और उनके सफर को खास बनाने के लिए अपने प्रशंसकों और समर्थकों का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, इस यात्रा को यादगार और सफल-सार्थक बनाने वाले आप प्रशंसक हैं। आपने मुझे गले लगाया, मेरा उत्साहवर्धन किया और मेरे जीवन के सबसे कठिन दौर में मेरे साथ खड़े रहे। जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ रहा हूं, मैं आपके प्यार और समर्थन को अपने दिल में रखता हूं। जब भी मैं मैदान पर उतरूंगा, मैं आपका मनोरंजन करने के लिए उत्सुक रहूंगा। मेरा परिवार बनने और इस यात्रा को इतना खास बनाने के लिए आपका धन्यवाद।

व्यापार

भारत में 5जी सब्सक्रिप्शन 2030 तक 970 मिलियन हो जाएगा

यूजर्स अगले पांच सालों में जेनएआई एप का करेंगे इस्तेमाल

नई दिल्ली। भारत में 5जी सब्सक्रिप्शन 2030 के आखिर तक करीब 970 मिलियन तक पहुंच सकता है, जो कुल मोबाइल सब्सक्रिप्शन का 74 फीसदी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल के अंत तक 5जी सब्सक्रिप्शन 270 मिलियन से ज्यादा हो जाने का अनुमान है, जो इस सेक्टर में कुल मोबाइल सब्सक्रिप्शन का 23 फीसदी है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत में प्रति स्मार्टफोन औसत मासिक उपयोग सबसे ज्यादा है, जो 32 जीबी है और 2030 तक इसके 66 जीबी तक बढ़ने की उम्मीद है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने बड़े पैमाने पर मिड-बैंड को स्थापित किया है और 2024 के आखिर तक इसके करीब 95 फीसदी जनसंख्या कवरेज तक पहुंचने की उम्मीद है। एरिक्सन के नेटवर्क समाधान, सॉफ्टवेयर और प्रदर्शन प्रमुख ने कहा कि जेनएआई के कंज्यूमर अपटेक के साथ ट्रैफिक बेस लाइन में बढ़ोतरी होगी। भारत में पहले से प्रति स्मार्टफोन औसत मासिक उपयोग 32 जीबी है, जो 13 फीसदी सीएजीआर के साथ बढ़ रहा है और 2030 तक 66 जीबी तक पहुंच जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक 67 फीसदी 5जी स्मार्टफोन यूजर्स अगले पांच सालों में साप्ताहिक आधार पर जेनएआई एप का इस्तेमाल करेंगे। नई 'एरिक्सन कंज्यूमरलैब' रिसर्च के मुताबिक तीन में से एक जेन जेड स्मार्टफोन यूजर का कहना है कि वे 5जी नेटवर्क पर ज्यादा बेहतर जेन एआई का अनुभव की उम्मीद करते हैं। इस रिसर्च में भारत में विश्वसनीय कनेक्टिविटी की बढ़ती मांग पर भी प्रकाश डाला गया है, जिसमें पिछले साल की तुलना में टियर तीन शहरों में 5जी कनेक्टिविटी से उच्च संतुष्टि की रिपोर्ट करने वाले यूजर्स की हिस्सेदारी दोगुनी हो गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक छह में से एक 5जी यूजर, यूजर इवेंट स्थलों पर तय कनेक्टिविटी के लिए अपने वर्तमान मासिक मोबाइल खर्च का 20 फीसदी भुगतान करने को तैयार हैं। एरिक्सन के कंज्यूमर लैब के प्रमुख ने कहा कि युवा पीढ़ी के एआई यूजर्स पहले से ही 5जी नेटवर्क पर ज्यादा बेहतर एआई की मांग कर रहे हैं। यह कम्युनिकेशन सर्विस प्रोवाइडर्स के लिए बेहतर कनेक्टिविटी एक्सपीरियंस के जरिए इस मांग को पूरा करने का अवसर दिखाता है।

अपतटीय क्षेत्रों में खनिजों की नीलामी का पहला दौर गुरुवार को शुरू करेगी सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अपतटीय क्षेत्रों में खनिज ब्लॉक की नीलामी का पहला दौर गुरुवार को शुरू करेगी। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी और कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे इस महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत करेंगे। खान मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि 28 नवंबर को देश के अपतटीय क्षेत्रों में खनिज ब्लॉकों की नीलामी की पहली किश्त शुरू की जाएगी। इसके तहत अरब सागर और अंडमान सागर में 13 खदानों की नीलामी की जाएगी। इन खनिज ब्लॉक में निर्माण में इस्तेमाल होने वाली रेत, चूना मिट्टी तथा 'पॉलीमेटेलिक नोड्यूल' का मिश्रण होता है। मंत्रालय के मुताबिक इन खनिज ब्लॉक के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली रेत, चूना मिट्टी तथा 'पॉलीमेटेलिक नोड्यूल' का मिश्रण होता है। ये खनिज बुनियादी ढांचे के विकास, उच्च प्रौद्योगिकी विनिर्माण और हरित ऊर्जा बदलाव के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह ऐतिहासिक पहल भारत के अपने अपतटीय क्षेत्र में समुद्र के नीचे खनिज संसाधनों की खोज और विकास में प्रवेश का प्रतीक है। खान मंत्रालय ने कहा कि यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे अपतटीय क्षेत्र में समुद्र के नीचे खनिज संसाधनों की खोज तथा विकास को बढ़ावा मिलेगा। देश के अपतटीय क्षेत्रों में प्रादेशिक जल, महाद्वीपीय 'शेल्फ', विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) और भारत के अन्य समुद्री क्षेत्र शामिल हैं। दरअसल भारत 2 मिलियन वर्ग किलोमीटर से अधिक का अनन्य आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों से भरा पड़ा है। उल्लेखनीय है कि संसद ने पिछले साल अगस्त में अपतटीय क्षेत्र खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम-2002 में संशोधन किया था, जिसके बाद अपतटीय क्षेत्रों में खनिज ब्लॉक के आवंटन के लिए नीलामी अनिवार्य हो गई है।

वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी के 10वें दौर में नौ खदानों की सफलतापूर्वक हुई नीलामी

नई दिल्ली। वाणिज्यिक कोयला खदानों की नीलामी के 10वें दौर में नौ खदानों की सफलतापूर्वक नीलामी हुई है। इनमें तीन पूरी तरह से खोजी गई कोयला खदानें हैं, जबकि छह आंशिक रूप से खोजी गई कोयला खदानें हैं। कोयला मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि 21 जून, 2024 को वाणिज्यिक खनन के लिए कोयला खदानों की नीलामी का 10वां दौर शुरू किया गया। अग्रिम नीलामी में कुल नौ कोयला खदानों की सफलतापूर्वक नीलामी की गई है, जिनमें तीन पूरी तरह से खोजी गई खदानें और छह आंशिक रूप से खोजी गई कोयला खदानें हैं। इन नौ खदानों में करीब 3,998.73 मिलियन टन का संयुक्त भूगर्भीय भंडार है। कोयला खदानों की नीलामी के 10वें दौर में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, जिसमें 17.44 फीसदी का औसत राजस्व हिस्सा हासिल हुआ। मंत्रालय के मुताबिक आंशिक रूप से खोजी गई कोयला खदानों को छोड़कर इन कोयला खदानों की संचयी अधिकतम निर्धारित क्षमता (पीआरसी) 14.10 एमटीपीए है। यह कोयला क्षेत्र में उद्योगों की निरंतर रुचि और मंत्रालय द्वारा एक स्थिर और पारदर्शी नीति ढांचा प्रदान करने के प्रयासों को दर्शाता है। कोयला मंत्रालय के मुताबिक इन खदानों से लगभग 1,446 करोड़ रुपये (आंशिक रूप से खोजी गई खदानों को छोड़कर) का वार्षिक राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है, जिससे लगभग 2,115 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश आकर्षित होने की संभावना है। इसके साथ ही 19,063 रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का आईपीओ शुरु, 3 फीसदी प्रीमियम पर लिस्ट हुआ शेयर

नई दिल्ली। एनटीपीसी की रिन्यूएबल एनर्जी सब्सिडियरी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के आईपीओ ने बुधवार को शेयर बाजार में डेब्यू किया। बीएसई पर कंपनी के शेयर 111.60 रुपए प्रति शेयर पर लिस्ट हुए। इसके इश्यू प्राइस 108 रुपए की तुलना में सिर्फ 3.33 फीसदी या 3.60 रुपए का प्रीमियम दिखाता है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर शेयरों की लिस्टिंग 111.60 रुपए प्रति शेयर पर हुई, जो इश्यू प्राइस से 3.24 फीसदी या 3.50 रुपए ज्यादा रही। इस लिस्टिंग का प्रदर्शन ग्रे मार्केट की उम्मीदों के अनुरूप रहा। लिस्टिंग से पहले ग्रे मार्केट में एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के अनलिस्टेड शेयर इश्यू प्राइस पर 1 रुपए के मामूली प्रीमियम पर ट्रेड हो रहे थे। यह लिस्टिंग निवेशकों के लिए ज्यादा आकर्षक नहीं रही, लेकिन कंपनी के भविष्य को लेकर बाजार में सकारात्मक रुख देखने को मिल सकता है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के आईपीओ को निवेशकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इसमें सबसे ज्यादा दिलचस्पी रिटेल व्यक्तिगत निवेशकों ने दिखाई, जिन्होंने अपने लिए आरक्षित हिस्से को 3.44 गुना सब्सक्राइब किया। इसके बाद क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स ने अपने हिस्से के लिए 3.32 गुना बोलियां लगाईं। वहीं, नॉन-इंस्टिट्यूशनल निवेशकों ने 0.81 गुना सब्सक्रिप्शन दर्ज किया। कंपनी के कर्मचारियों और शेयरधारकों के लिए आरक्षित हिस्से में भी दिलचस्पी देखने को मिली है। कर्मचारियों का हिस्सा 0.80 गुना और शेयरधारकों का हिस्सा 1.60 गुना सब्सक्राइब हुआ। शेयर बाजार में डेब्यू से पहले एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी ने एक बड़ा कदम उठाते हुए महाराष्ट्र स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड के साथ 50-50 की साझेदारी में एक जॉइंट वेंचर बनाया है। यह जॉइंट वेंचर महाराष्ट्र में रिन्यूएबल एनर्जी पार्क विकसित करने, उनका संचालन और रखरखाव करेगा। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी की यह पहल पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा को बढ़ावा देने और हरित ऊर्जा उत्पादन में अपनी स्थिति को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम है। इस साझेदारी से न केवल नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि महाराष्ट्र में रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। इस इश्यू का रजिस्ट्रार एफिन टेक्नालॉजिस है। वहीं, इस आईपीओ के बुक-रनिंग लीड मैनेजर्स में आईडीबीआई कैपिटल मार्केट सर्विसेज, एचडीएफसी बैंक, आईआईएफएल सिक्योरिटीज, और नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट शामिल हैं। इस आईपीओ से मिले फंड का इस्तेमाल एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी अपनी सहायक कंपनी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एनआरईएल) में निवेश के लिए करेगी। इसके अलावा यह राशि कंपनी का कर्ज चुकाने और सामान्य कॉर्पोरेट खर्चों को पूरा करने में भी काम आएगी।

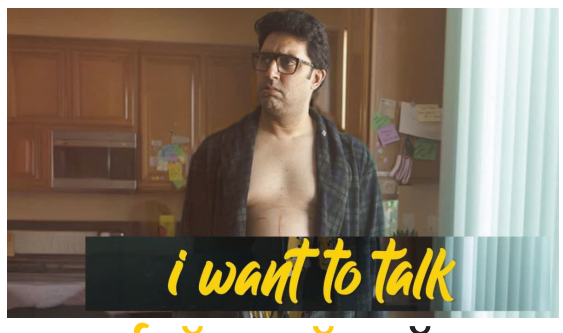

आई वॉन्ट टू टॉक बॉक्स ऑफिस डे 1, अभिषेक बच्चन के करियर की दूसरी सबसे कम ओपनिंग वाली फिल्म बनी

बीते शुक्रवार यानी 22 नवंबर को सिनेमाघरों में अभिषेक बच्चन की फिल्म आई वॉन्ट टू टॉक रिलीज हुई, जिसमें अभिषेक की दमदार अदाकारी ने सबका दिल जीत लिया।लग रहा था कि बॉक्स ऑफिस पर यह ठीक-ठाक कमाई कर लेगी, लेकिन पहले ही दिन टिकट खिड़की पर इस फिल्म का बंटाधार हो गया। फिल्म की कमाई ने निर्माता-निर्देशक के साथ-साथ यकीनन अभिषेक को भी निराश किया होगा।आइए जानें फिल्म के पहले दिन का कारोबार। अभिषेक लंबे समय के बाद आई वॉन्ट टू टॉक के साथ बॉक्स ऑफिस की दौड़ में आए हैं। शूजीत सरकार के निर्देशन में बनी यह फिल्म पहले दिन भी अच्छे नंबरों के साथ शुरुआत नहीं कर पाई।सैकनिल्क के मुताबिक, शुक्रवार को इसकी कमाई 1 करोड़ रुपये से भी कम रही। फिल्म ने भारत में केवल 25 लाख रुपये कमाए।इसने तो उनकी पिछली फ्लॉप फिल्म घूमर से भी कम कमाई की, जिसने पहले दिन 85 लाख रुपये कमाए थे। फिल्म में अभिषेक ने अर्जुन का किरदार निभाया है, जो अपनी बेटी के साथ एक रिश्ते में मुश्किलें झेल रहा है।अभिषेक के किरदार में कई परतें हैं और उन्हें देख लगता है मानों उन्होंने अर्जुन की भूमिका घूंटकर पी ली हो।इस फिल्म का बजट 40 करोड़ रुपये है और पहले दिन की कमाई देख इस पर फ्लॉप का खतरा मंडराने लगा है।हालांकि, निर्माताओं को उम्मीद है कि वीकेंड में फिल्म की कमाई बढ़ेगी। अक्?टूबर, सरदार उधम के बाद शूजित ने फिर मर्मस्पर्शी विषय को छुआ है। फिल्?म धीमी गति से बढ़ती है इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन पिता-पुत्री के संबंधों के साथ मेडिकल दिक्?कतों को दर्शाते हुए यह उसे और मार्मिक बनाती है।तमाम स्?वास्?थ्?य समस्?याओं से जूझ रहे अर्जुन की अंदरुनी भावनाओं, तकलीफों और मनोदशा को शूजित खामोशियों के साथ सहजता से व्?यक्?त करते हैं।एक पिता की मनोदशा को शूजीत ने सहजता से पर्दे पर उतारा है। दूसरी तरफ विक्रांत मैसी, राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा अभिनीत द साबरमती रिपोर्ट ने मामूली उछाल के साथ दूसरे हफ्ते में प्रवेश कर लिया है।फिल्म ने दूसरे शुक्रवार को पिछले दिन की तुलना में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की और दूसरे शुक्रवार यानी रिलीज के 8वें दिन इसने लगभग 1.05 करोड़ रुपये की कमाई की।द साबरमती रिपोर्ट की कुल कमाई फिलहाल भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 11.95 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

पुष्पा 2 के आइटम सॉन्ग किसिक की रिलीज डेट से उठा पर्दा

अल्लू अर्जन संग धमाल मचाएंगी श्रीलीला

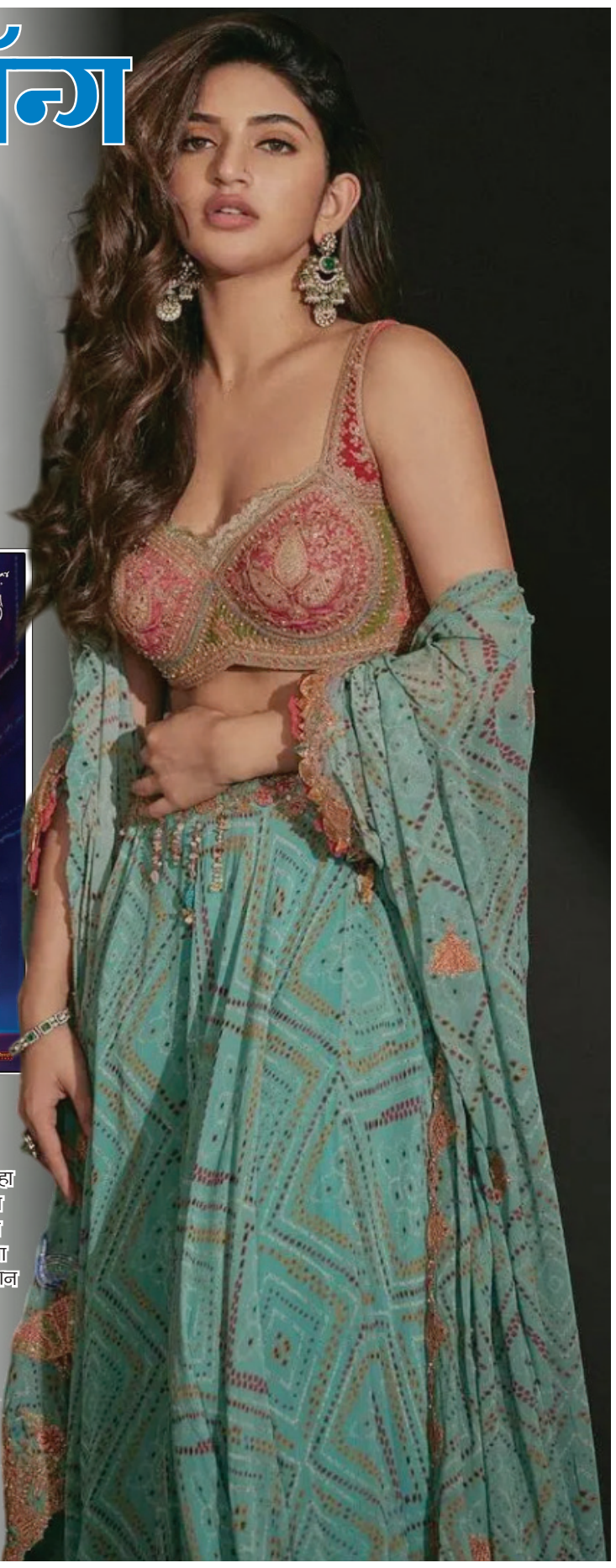

पुष्पा 2: द रूल का बेसब्री से इंतजार कर रहे फैंस के लिए बड़ी खबर है. मिथ्री मूवी मेकर्स ने फिल्म के नए गाने 'किस्सिक का प्रोमो रिलीज कर दिया है. इस गाने में आइकन स्टार अल्लू अर्जुन और श्रीलीला की जबरदस्त परफॉर्मेंस देखने को मिलेगी, जिसने रिलीज से पहले ही इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है. गाने का प्रोमो रिलीज करते हुए मिथ्री मूवी मेकर्स ने लिखा आइकन स्टार की सिजलिंग केमिस्ट्री आपको हैरान कर देगी, किस्सिक अपने हाई-एनर्जी डांस मूव्स और कैच साउंडट्रैक के लिए पहले ही सुर्खियां बटोर चुका है, देवी श्री प्रसाद के संगीत से सजे इस गाने को फैंस से शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है, फैंस का कहना है कि अल्लू

अर्जुन और स्रीलीला की जोड़ी ने गाने में जान डाल दी है. पुष्पा फ्रेंचाइज़ी का पहला भाग ब्लॉकबस्टर साबित हुआ था, और अब पुष्पा 2: द रूल से भी दर्शकों की उम्मीदें आसमान छू रही हैं. किस्सिक गाने को फिल्म का हाइलाइट माना जा रहा है, और यह निश्चित रूप से चार्टबस्टर बनने जा रहा है. बता दें, किसिक सॉन्ग आज 24 नवंबर को शाम 7.02 बजे रिलीज़ होने जा रहा है. सुकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अल्लू अर्जुन के अलावा रश्मिका मंदाना और फहद फासिल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं. यह फिल्म मिथ्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स के बैनर तले प्रोड्यूस की गई है, जबकि संगीत का जिम्मा टी-सीरीज़ ने संभाला है.

शादी के बाद सेट पर पहुंचीं सुरभि ज्योति, सबसे खुश दिखीं तो फैंस बोले- माशाअल्लाह

न्यूली वेड टीवी जगत की स्टाइलिश और खूबसूरत अभिनेत्री सुरभि ज्योति ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो मोंटाज शेयर किया, जो शूटिंग सेट का है। इसमें 'नागिन स्टार काफी खुश नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर सुरभि ज्योति ने लिखा सेट पर सबसे खुश। वीडियो मोंटाज में अभिनेत्री कई खूबसूरत लिबास में सादगी के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। प्रशंसक उनकी पोस्ट को काफी पसंद कर रहे हैं। एक प्रशंसक ने कैप्शन में लिखा 'माशाअल्लाह मेरी प्रिंसेज, एक अन्य ने लिखा अब आपकी वापसी हो गई, हम इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। दूसरे ने लिखा आप हर लुक में कमाल की लगती हैं। बता दें कि अभिनेत्री पिछले महीने 27 अक्टूबर

को बॉयफ्रेंड सुमित सूरी संग शादी के बंधन में बंधी थीं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर शादी की तस्वीरें प्रशंसकों के साथ शेयर की थी। इस विवाह के गवाह दोनों के करीबी रिश्तेदार और दोस्त बने थे। अभिनेत्री ने शादी की तस्वीरों के साथ हल्दी, मेंहदी, म्यूजिक नाइट्स समेत कई रस्मों की तस्वीरें भी शेयर की थीं, जिसमें पहली रसोई की तस्वीरें भी शामिल हैं। अभिनेत्री ने पहली रसोई में हलवा बनाया था। सुरभि ने पंजाबी फिल्मों 'इक कुड़ी पंजाब दी, 'रौला पै गया और 'मुंडे पटियाला दे के साथ-साथ पंजाबी टीवी सीरीज 'अखियां ते दूर जाए ना में भी काम किया है। सुरभि रोमांटिक-ड्रामा 'कुबूल है में जोया फारूकी की भूमिका निभाने के बाद घर-घर लोकप्रिय हो गई थीं, जिसके लिए उन्हें कई पुरस्कार भी मिले। 'नागिन 3 में उन्होंने नागिन का किरदार निभाया था, जिसमें उनका नाम 'बेला था। सुरभि ज्योति सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं और इसी कड़ी में उन्होंने शादी के बाद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी संग मुलाकात की तस्वीरें भी शेयर कीं। उनके साथ पति सुमित सूरी भी थे। अभिनेत्री ने तस्वीरों संग कैप्शन में सीएम को धन्यवाद देते हुए लिखा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आपके बहुमूल्य समय, समर्थन और शुभकामनाओं के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। शेयर की गई तस्वीर में सुरभि के साथ उनके पति खड़े हैं और वह हंसते हुए धामी संग तस्वीरें खिंचवाते नजर आ रहे हैं। इस दौरान न्यूली वेड कपल ने खूबसूरत पोज दिए। धामी सुरभि और सुमित को फ्लावर बुके देते नजर आ रहे हैं। तस्वीर में सुरभि और सुमित दोनों ऑफ व्हाइट रंग की पोशाक पहने नजर आ रहे हैं।

रेड हॉट ड्रेस पहन मोनालिसा ने अपनी बर्थडे पार्टी पर लगाया ग्लैमर का तड़का, एक्ट्रेस की हॉटनेस देख मदहोश हुए फैंस

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा ने 21 नवंबर को अपना 42वां बर्थडे मनाया था। अपने जन्मदिवस के खास अवसर पर एक्ट्रेस ने अपने फैंस को शादार गिफ्ट दिया। दरअसल, मोनालिसा ने अपने बर्थडे की कुछ फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस देखकर फैंस एक बार फिर से उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं। टीवी और भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट क्वीन मोनालिसा आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी हॉटनेस से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। हाल ही में मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका रेड हॉट लुक देखकर लोगों के होश उड़

गए हैं। साथ ही लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। मोनालिसा की इन लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने रेड कलर की चमचमाती रिवीलींग शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक पोज देते हुए इंटरनेट का तापमान बढ़ा रही हैं। बालों की पोनीटेल बांधकर, कानों में इयररिंग्स, लाइट मेकअप और डार्क रेड शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। मोनालिसा की यह फोटोज इंस्टाग्राम पर जैसे पोस्ट हुई वैसे ही कई सारे यूजर्स ने टू मच हॉट। यू लुक सो ब्यूटिफुल। लुकिंग ग्लैमरस, टू मच स्टनिंग, उफ्फ ये हॉटनेस लिख कर कॉमेंट्स करने शुरू कर दिए हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। इंडियन हो या फिर वेस्टर्न एक्ट्रेस का हर लुक फैंस के बीच आते ही ट्रेंड करने लगता है।

Who will be the Chief Minister of Maharashtra? BJP is adamant on Fadnavis, Shinde Sena cited Bihar model

Mumbai:. Even after four days of the results of Maharashtra assembly elections, there is no consensus in the Mahayuti on the name of the Chief Minister. BJP workers are adamant on the demand of making Devendra Fadnavis the Chief Minister, while Shinde Sena is putting forward the name of Eknath Shinde. BJP will send its observers to Maharashtra today. It is believed that the name of the Chief Minister can be announced today itself after discussion with the MLAs. Shiv Sena MP Naresh Mhaske said, we believe that Shinde should be the Chief Minister, just like in Bihar, BJP did not look at the numbers and still made Nitish Kumar of Janata Dal United (JDU) the Chief Minister.

In Maharashtra, senior leaders of the Mahayuti will ultimately take the decision. Let us tell you that the National Democratic Alliance (NDA) is in power in Bihar. Despite BJP having more MLAs, Nitish Kumar of JDU is the Chief Minister. BJP national spokesperson Prem Shukla said, the model implemented in Bihar is not right for Maharashtra. In Bihar, BJP had promised to make Nitish Kumar the Chief Minister before the elections and also honored it. There is no reason for such a commitment in Maharashtra, because we have a strong organizational base and leadership. The top leadership had said during the elections that the decision on the Chief Minister will be based on the election results. Shinde has also received a setback from Ajit Pawar. Ajit himself has dropped out of the race for the post of Chief Minister and has supported Fadnavis. At the same time, Union Minister Ramdas Athawale said, I think Eknath Shinde should take 2 steps back. Just like in 2022, Fadnavis took 4 steps back and accepted to become Deputy Chief Minister under his leadership. Similarly, Shinde should become Deputy Chief Minister. According to the report, Shinde has demanded the state's Home Ministry in case he is not made the Chief Minister. This demand was reportedly made during a meeting of leaders of the Shinde camp with Fadnavis. Meanwhile, Shiv Sena spokesperson Sanjay Shirsat said that Shinde will not accept the post of Deputy Chief Minister. He said, the election was fought on Shinde's face.

Fadnavis and BJP leaders also agree to this. Therefore, Shinde is eligible to become the Chief Minister. In Maharashtra, a formula of one Chief Minister and two Deputy Chief Ministers has been decided. If the Chief Minister is from BJP, then the post of Deputy Chief Minister can be given to Shinde and Ajit. Ajit's becoming Deputy Chief Minister is certain, but will Shinde accept this post? According to reports, if he is not made the Chief Minister, then Shinde can also refuse the post of Deputy Chief Minister. He can give this responsibility to some other leader of his party. In the Maharashtra assembly election results, the Mahayuti alliance of Shiv Sena, BJP and Ajit Pawar-led Nationalist Congress Party (NCP) has won 230 seats. BJP has got 132 seats, Shiv Sena 57 and NCP 41 seats. Due to getting the most seats, BJP's claim for the post of Chief Minister is the strongest. Whereas, in the opposition Maha Vikas Aghadi, Shiv Sena (Uddhav) has got 20 seats, Congress 16 and NCP (Sharad) 10 seats.

Rajya Sabha proceedings adjourned till Thursday due to uproar

New Delhi: Shortly after the proceedings of the House started in the Rajya Sabha on Wednesday, opposition MPs demanded a discussion on issues like Manipur and Sambhal violence under Rule 267. The Chairman rejected this demand. Due to this, many opposition MPs started creating a ruckus in the House and the proceedings of the House had to be adjourned shortly after the proceedings started. Even after the proceedings of the Parliament resumed, this ruckus did not stop and the Rajya Sabha was adjourned for the whole day. In fact, on Wednesday, an Aam Aadmi Party MP gave a notice in the Rajya Sabha and told the Chairman that he wanted a discussion on the law and order situation in Delhi and the increasing crimes in the national capital. At the same time, opposition MPs like Sushmita Dev, Raghav Chadha, Tiruchi Shiva, Santosh Kumar P demanded a discussion on the Manipur violence. Dr. John Bitas, A A Rahim, Professor Ramgopal Yadav and Abdul Wahab demanded a discussion on the violence in Sambhal, Uttar Pradesh and the situation that arose after it. These opposition MPs wanted that other work of the House should be postponed and these issues should be discussed. The opposition MPs were demanding discussion under Rule 267. However, Chairman Jagdeep Dhankhar rejected this demand of the MPs. After this, the opposition MPs started creating ruckus in the House and due to this the proceedings of the House had to be postponed till 11:30 am. When the proceedings of the House resumed, many opposition MPs including Pramod Tiwari of Congress stood up at their seats demanding a discussion. After this, most of the opposition MPs started raising their voice on this issue. The Chairman requested the MPs to go and sit at their seats. But this protest of the opposition MPs continued to increase. In view of this, the Chairman adjourned the proceedings of the Rajya Sabha till Thursday. Earlier, when the winter session of Parliament began on Monday, opposition MPs were seen demanding discussion on the issues of Manipur violence and Sambhal violence in Rajya Sabha. Many opposition MPs had also given notice to the Chairman of Rajya Sabha on Wednesday to discuss the issue of violence in Manipur and Sambhal in Uttar Pradesh. The Chairman rejected this demand of the MPs. Rajya Sabha Chairman Jagdeep Dhankhar said that he has already given his decision on the discussion under Rule 267, and he is repeating the same decision again.

Grap-4 will continue in Delhi, pollution level increased again, AQI crossed 400

Delhi- The air quality in the country's capital Delhi has again reached the severe category. According to the Central Pollution Control Board (CPCB), the overall Air Quality Index (AQI) of Delhi on Wednesday is 396. At the same time, in some areas this level has crossed 400, due to which people may have to face health related problems. The level of pollution in various areas of Delhi has become extremely worrying. According to the data of the Central Pollution Control Board, the AQI has been recorded at 416 in Alipur, 431 in Anand Vihar, 420 in Ashok Vihar, and 422 in Jahangirpuri. Apart from this, the AQI has reached 412 in Major Dhyanchand National Stadium, 409 in Mandir Marg, and 443 in Mundka. Apart from this, figures of 415 have come in Narela, 420 in Nehru Nagar, 409 in Patparganj, and 413 in Punjabi Bagh. 432 in Rohini, 423 in Shadipur, 425 in Sonia Vihar, 432 in Vivek Vihar, and 423 in Wazirpur have been recorded as AQI. Due to the pollution level reaching the severe category in these areas, citizens may face serious health risks. Due to the pollution level crossing 400 in many areas of Delhi, this pollution has now become very dangerous for health. Let us tell you that

in view of the increasing level of pollution, the fourth phase (GRAP-4) of the Graded Response Action Plan (GRAP) has been implemented in Delhi. After the implementation of GRAP-4, many strict restrictions have been imposed by the government to control air pollution. Strict restrictions have been imposed on factories, construction work, and traffic in Delhi. Let us tell you, when the pollution level rises too much and the average AQI crosses 450, then the fourth stage of GRAP is implemented. After the implementation of GRAP-4, the restrictions are the highest and most stringent. Heavy vehicles including trucks, loaders are not allowed to enter Delhi.

Eknath's biggest bet, Fadnavis got entangled in Shinde's condition!

Mumbai: Four days have passed since the election results in Maharashtra but the veil is still not being removed from the face of the Chief Minister. BJP is not able to convince Shiv Sena even after a bumper victory. Meanwhile, another big news is coming out. Yes, Shiv Sena chief and former CM Eknath Shinde has made a big move. His move has suddenly started a ruckus in the politics of Maharashtra. Not only this, if his move is right, then it can create problems for Fadnavis as well. Let's know what is the whole matter. Eknath Shinde has been active since the election results. First, he gave indications of not leaving the CM post. After this, he resigned from the CM post but even after this, he never agreed to the name of Fadnavis. Not only this, he also hinted at talking to PM Modi and Shah on this issue. However, in the meantime, Shinde played another big trick. He had a special meeting with Mahayuti's ally and NCP chief Ajit Pawar. Eknath Shinde suddenly turned to Ajit Pawar's camp on Tuesday. On one hand, while BJP is busy preparing for the coronation, on the other hand, Eknath Shinde made a move of his own and had a special meeting with Ajit Pawar. If sources are to be believed, this meeting took place in the form of an intense discussion for 1 hour. There is a buzz in political circles that Shinde not only told Ajit Pawar about his conditions but also warned him about BJP's actions in the coming days. It is being said that Shinde was successful in making Ajit understand what he wanted to say. This is the reason why he immediately changed his tune on Wednesday morning. After meeting Ajit Pawar, a different angle was seen in Shinde's stance. Shinde made it clear on Wednesday that he has no objection if BJP makes its CM, but after this he also put forward his condition. According to Shinde, the Home Ministry in the cabinet should be with Shiv Sena. Not only this, he has also kept some other conditions for supporting Fadnavis. Not only this, Shinde has also made it clear that if his conditions are not met, Shiv Sena will not be a part of the government when it is formed. It is clear from Shinde's attitude that he is not in a mood to agree right now. Shinde knows that his rebellion will neither harm BJP nor will it benefit him much. But is there a problem with Devendra Fadnavis behind this entire exercise of Shinde. Because due to his stubbornness, Devendra Fadnavis may suffer the biggest loss. It is possible that the BJP high command may keep the Mahayuti safe by giving the CM face to some other leader instead of Fadnavis. If this happens, then Shinde will succeed in his biggest gamble as well.

The Centre has spent Rs 3,623 crore to curb stubble burning

New Delhi: The central government of the country has spent Rs 3,623.45 crore on stubble management in Delhi, Punjab, Haryana and Uttar Pradesh since 2018. Union Minister of State for Environment, Forest and Climate Change Kirti Vardhan Singh gave this information in the Lok Sabha. Punjab has been allocated the highest amount of Rs 1,681.45 crore, followed by Haryana at Rs 1,081.71 crore. According to data tabled in the Lower House, Rs 763.67 crore has been allocated to Uttar Pradesh, Rs 6.05 crore to Delhi and Rs 83.35 crore to the Indian Council of Agricultural Research (ICAR). The Union minister told the Lower House that the amount has been utilised to subsidise stubble management machinery and set up Custom Hiring Centres (CHCs) to curb stubble burning and promote sustainable practices. He said over three lakh machines have been distributed, including 4,500 balers and rakes. The government has recognised the need to provide up to Rs 1.4 crore for a pelletisation (conversion of crop residue into bio-coal) plant and up to Rs 2.8 crore for a torrefaction plant, depending on the capacity of the plant. The Union Minister said so far, 17 applications for such plants have been approved, of which 15 are expected to process 2.70 lakh tonnes of paddy straw annually. The Ministry of Agriculture and Farmers Welfare had also launched a scheme in 2018 to support the purchase of crop residue management machinery and setting up of custom hiring centres in Delhi, Punjab, Haryana, Punjab and Uttar Pradesh. In 2023, the Ministry revised the scheme guidelines to enhance support for setting up supply chains of crop residue/paddy straw, providing financial assistance for capital cost of machinery and equipment. The Union Minister said that the Government, in collaboration with state authorities and agencies like ISRO, ICAR and Indian Agricultural Research Institute (IARI), has launched an action plan to tackle the problem of crop residue burning. To manage crop residue directly in the fields, the Government has allocated Crop Residue Management (CRM) machinery, which is required to effectively deal with paddy straw. The government has also mandated the use of Super Straw Management System (SMS) with combine harvesters, which chops the straw and spreads it evenly on the fields, eliminating the need for burning. Additionally, the use of bio-decomposer developed by IARI is encouraged to naturally decompose paddy straw, turning it into a valuable fertilizer.

Cyclone Fengal may move towards Tamil Nadu, schools closed due to heavy rains

Chennai: The possibility of cyclone Fengal reaching Tamil Nadu has increased. It can move towards Tamil Nadu via Sri Lanka coast in the next 2 days. The Indian Meteorological Department (IMD) says that the deep pressure forming over the South-West Bay of Bengal is likely to turn into a cyclone on Wednesday. Due to this, many cities of Tamil Nadu are receiving heavy rains. The IMD has predicted heavy rains in many areas till Thursday. In view of the rain in Tamil Nadu's capital Chennai and other districts, schools have been closed. Schools and colleges will remain closed in Tiruvallur, Thanjavur, Mayiladuthurai, Puducherry, Karaikal, Chennai, Chengalpattu, Tiruvarur and Cuddalore districts. Apart from this, Indigo Airlines has issued an advisory for flights to and from Chennai, Tuticorin and Madurai in the state and has said that flights may be affected due to adverse weather. The weather department says that if the pressure continues to move towards the northwest, it will turn into a cyclone on November 27. In view of this, the Meteorological Department has issued a red alert for excessive rain in 5 districts on November 27, a yellow alert in Chennai from November 27 to 29 and an orange alert in neighboring districts including Kanchipuram, Tiruvallur and Chengalpet till November 30. People in the coastal areas of Tamil Nadu have also been warned. The cyclone has been named Fengal by Saudi Arabia, which is derived from Arabic language. Recently, Qatar had named the Dana cyclone. This is the third cyclone of this year in the North Indian Ocean. Let us tell you, the current list of names of cyclones was made in 2020, in which each member country has suggested 13 names. These are used in turn. After Fengal, the name of the next cyclone has been suggested by Sri Lanka as Shakti. In view of the cyclone, 7 teams of National Disaster Response Force have been deployed in the districts.

Naxalite Chhotu Kharwar, carrying a reward of Rs 15 lakh, killed in Latehar

Ranchi: There is news of Jharkhand's biggest Naxalite Chotu Kharwar being killed. It is being told that the state's biggest Naxalite Chotu has been killed in an internal fight. The Jharkhand government had announced a reward of Rs 15 lakh on him. According to the information, Chotu Kharwar was accused of hundreds of Naxalite incidents. But he died in an internal fight in Latehar district late on Tuesday night. It is being told that this incident took place in Nawadih of Latehar district late on Tuesday night. He was a Naxalite commander and was accused of more than 100 Naxalite incidents. Let us tell you that Jharkhand's Naxalite Chhotu Kharwar is also known by the name of Sujit alias Birju Singh and Chhote Singh. He was considered the biggest Naxalite of the state. He had carried out many Naxalite incidents in the state and the neighboring state of Chhattisgarh. Due to which the state government had placed a reward of Rs 15 lakh on him. According to reports, Chhotu Kharwar was murdered in a fight. This murder was committed near Bhimpaon forest in Chhipadohar police station area. However, the real reason for the murder is not known yet. At present, the police is investigating the whole matter. According to reports, for the past few days, there were reports of rivalry among the Maoists. It is being told that the Maoists had gathered in Bhimpav forest to settle this rivalry. During the settlement, there was an altercation between all the Naxalites and after that all of them clashed with each other. Meanwhile, a Naxalite fired a bullet. This bullet hit Chotu Kharwar. After the incident, other Naxalites fled into the forest leaving behind the body of Chotu Kharwar. Palamu DIG YS Ramesh has confirmed the death of Chotu Kharwar. He said that he found a body in the forest which is of Chotu Kharwar. Jharkhand's biggest Naxalite Chotu Kharwar was a resident of Chipadohar area. He was in charge of the Koyal-Shankh zone of Naxalites. Along with this, his name has also come up in the case of terror funding. Apart from Chotu Kharwar, his wife's name was also involved in this case. In the year 2018, the National Investigation Agency had registered a case against both of them. According to the information, this case is of 21 December 2016. When the Balumath police station of Latehar arrested a person named Chandan with cash of Rs 3 lakh. He had informed the police that this money belonged to Chotu Kharwar.